

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”



पटना, वर्ष: 7, अंक: 221, गुरुवार, 24 सितंबर 2026 मूल्य: 5:00, पृष्ठ:8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

रेलकर्मियों ने मनाया बोनस बढ़ोतरी दिवस

03



पुलिस की कार्रवाई: तीन अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

04

डीप नेक चोली और रेड लहंगा, बोल्ट ट्रेडिशनल लुक से दिशा पाटनी ने...

07

देखकर पता चलेगा ‘प्रोडक्ट’ शाकाहारी है या नहीं

● दूधपेस्ट, साबुन और थैपू पर लाल-हरा निशान लगाना जरूरी

नियम का उल्लंघन करने पर एक साल की सजा का प्रावधान



मूल प्रकृति नहीं बताता। ऐसे में, हरा-लाल बिंदु स्पष्ट बताएगा। 60 मिली तक तरल व 30 ग्राम तक ठोस पैक पर घटक नहीं होते। वहां भी बिंदु काम आएगा। यदि किसी मांसाहारी उत्पाद पर हरा निशान या शाकाहारी पर लाल निशान लगा है, तो यह नियमों का उल्लंघन है। इसके लिए आप कई तरीकों से शिकायत कर सकते हैं। पैक पर पहले से ही उत्पाद का नाम, निर्माता का पता, मात्रा, बैच नंबर, लाइसेंस नंबर, निर्माण और एक्सपायरी तारीख, अधिकतम खुदरा मूल्य तथा इस्तेमाल की सावधानियां लिखना जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

बीजेपी ने किया बड़ा संगठनात्मक बदलाव राज्य प्रभारियों और सह-प्रभारियों की नई नियुक्तियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने बुधवार को सभी राज्यों में अपने नए प्रभारियों और सह प्रभारियों का ऐलान किया। पार्टी अध्यक्ष नितिन गधे की ओर से जारी लिस्ट के मुताबिक, स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ और हरियाणा का प्रभारी बनाया गया है। राम माधव को तमिलनाडु और उत्तराखंड की जिम्मेदारी दी गई है। इस लिस्ट में उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात के



प्रभारियों के भी नाम हैं। इन तीनों राज्यों के प्रभारियों की नियुक्ति 18 अगस्त को ही कर दी गई थी। बिहार चुनाव जिताने वाले विनोद तावड़े को यूपी का प्रभारी बनाया गया है। पंजाब की जिम्मेदारी सतीश पुनिया को दी गई है। गुजरात का जिम्मा तरुण चुग को सौंपा गया है। 18 अगस्त को पार्टी ने कहा था कि बाकी राज्यों के प्रभारियों और सह प्रभारियों की नियुक्ति बाद में की जाएगी। 15 नेताओं को दो-दो राज्यों की जिम्मेदारी- भाजपा ने 5 नेताओं को दो-दो राज्यों की जिम्मेदारी दी है। हरीश द्विवेदी को बिहार और कर्नाटक, स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ और हरियाणा, सतीश पुनिया को जम्मू-कश्मीर और पंजाब, राम माधव को तमिलनाडु और उत्तराखंड, जबकि सुनील बंसल को तेलंगाना और पश्चिम बंगाल का प्रभारी बनाया गया है। वही महाराष्ट्र में दो प्रभारी नियुक्त किए गए हैं- बैजयंत जय पांडा और अमित मालवीय।

ईशान आनंद बनाए गए बीएसपी के राष्ट्रीय संयोजक

● मायावती का बड़ा ऐलान, दो नेताओं से सीखने को कहा

लखनऊ (एजेंसी)। बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने ईशान आनंद को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी है। ईशान आनंद को बीएसपी ने राष्ट्रीय संयोजक बनाया है। हालांकि ईशान अभी राज्यों में नहीं पार्टी का कामकाज ही देखेंगे। इसके लिए पार्टी के वरिष्ठ नेता राजाराम और रामजी गौतम से ईशान पार्टी का कामकाज सीखेंगे। इसके लिए मायावती ने वरिष्ठ नेताओं की जिम्मेदारी तय कर दी है। यूपी में 2027



चुनाव को लेकर बसपा की अहम बैठक आज लखनऊ में आयोजित की गई। बैठक से पहले ईशान मायावती की पेर छूकर आशीर्वाद लेते दिखे। इसके बाद से ही ईशान को नई जिम्मेदारी मिलने का दावा किया जा रहा था। अधिकार मायावती ने ईशान को नई जिम्मेदारी देने की घोषणा करते हुए ईशान को राष्ट्रीय संयोजक बनाने का ऐलान कर दिया है। ईशान आनंद मायावती के छोटे भतीजे हैं। ईशान आनंद बसपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमार के छोटे बेटे और आकाश आनंद के छोटे भाई हैं। बड़े भाई आकाश आनंद को पार्टी से हटाए जाने के बाद अब यह जिम्मेदारी ईशान आनंद को दी गई है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर बंट गए ‘सुप्रीम’ जज

एक जज केस पांच जजों की बेंच को भेजने के पक्ष में, दूसरे ने विरोध किया



सीजेआई को हटाने पर सवाल- याचिकाओं में 2023 के उस कानून की वैधता को चुनौती दी गई है, जो सीजेआई और

इलेक्शन कमिशनर्स की नियुक्ति से जुड़ा है। इस कानून में इलेक्शन कमिशनर्स की नियुक्ति करने वाले चयन पैनल से सीजेआई को हटा दिया गया था। इस कानून का बचाव करते हुए केंद्र ने दलीली दी- यह मान लेना गलत होगा कि चयन समिति में संख्या बल होने के कारण प्रधानमंत्री और मंत्री ‘बुरी मंशा’ से काम करेंगे या लोकतंत्र के खिलाफ जाएंगे। साल्सिटर जनरल तुषार मेहता की इस दलील पर जस्टिस दत्ता ने कहा कि अदालत प्रधानमंत्री पर भरोसा नहीं करती, ऐसा सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा- हम प्रधानमंत्री पर भरोसा क्यों नहीं करेंगे। निश्चित रूप से करेंगे। असली मुद्दा यह है कि चुनाव आयुक्त स्वतंत्र व्यक्ति होना चाहिए। उन्होंने पूछा कि क्या चयन समिति में ऐसे लोग नहीं होने चाहिए, जिससे निष्पक्षता दिखाई भी दे।

चयन प्रक्रिया में सीजेआई को बाहर रखने पर है विवाद

यह कानून दिसंबर 2023 में संसद से पारित हुआ था और 29 दिसंबर 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली थी। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह कानून सुप्रीम कोर्ट के 2023 के फैसले के खिलाफ है, क्योंकि इसमें चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया से भारत के मुख्य न्यायाधीश को बाहर रखा गया है। 2023 के कानून के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए बनी चयन समिति में प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री के नामित एक केंद्रीय मंत्री और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष (या सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता) शामिल होते हैं।

रफ्तार से गुजर रही गाड़ियों पर पहाड़ों से बरस रहे हैं पत्थर

● दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर नहीं थम रही पत्थरबाजी की घटना एमपी के रतलाम और झाबुआ में लगातार पहाड़ों से पत्थरबाजी

झाबुआ (एजेंसी)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का कुछ हिस्सा मध्य प्रदेश से होकर गुजरता है। मध्य प्रदेश के हिस्से में लगातार पत्थरबाजी की खबरें आ रही हैं। बीते दिनों रतलाम में वाहनों के ऊपर जबरदस्त पत्थरबाजी हुई थी। इसमें कई वाहनों को नुकसान पहुंचा था।

साथ ही कई लोग घायल भी हुए थे। प्रशासन की सख्ती के बावजूद इस पर लगाम नहीं लग रहा है। दरअसल, यह एक्सप्रेसवे रतलाम जिले से भी होकर



गुजरती है। रतलाम वाले हिस्से का एक वीडियो सामने आए हैं। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से गाड़ियों 100 किमी से अधिक की स्पीड से गुजरती हैं।

झाबुआ में भी पत्थरबाजी, पुलिस असफल

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे झाबुआ के थांदला से भी गुजरती है। यहां भी पत्थरबाजी हो रही है। थांदला के वीडियो में भी दिख रहा है कि लोग पहाड़ों पर खड़े हैं और गाड़ियों पर पत्थर मार रहे हैं। ऐसे में वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस लाख कोशिशों के बावजूद पत्थरबाजों पर नकल नहीं कर पा रही है। मध्य प्रदेश में झाबुआ और रतलाम से होकर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे गुजरता है। यह दूरी करीब 80 किमी है। मगर लगातार हो रही पत्थरबाजी की घटनाओं ने प्रशासन की नींद उड़ा दी है। हाईवे पर पत्थर दिन हो या रात, कभी भी चलने लगते हैं। ऐसे में इस एक्सप्रेसवे से सफर जोखिम भरा हो गया है।

बड़ा बदलाव! ट्रेनों के खाने में अब नहीं मिलेगी गंदगी

चूहे-कॉकरोच दिखे तो एआई कैमरे भेजेंगे सीधा अलर्ट

मार्च 2027 तक 50 ट्रेनों में लागू होगी निगरानी व्यवस्था

समस्तीपुर (एजेंसी)। स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस, बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, वैशाली एक्सप्रेस और बागमती एक्सप्रेस समेत समस्तीपुर होकर चलने वाली प्रमुख ट्रेनों की पैंटी कार में अब एआई आधारित कैमरों से निगरानी की जाएगी। पैंटी कार में चूहा, कॉकरोच या गंदगी दिखते ही सिस्टम संबंधित अधिकारियों को अलर्ट करेगा। खाना बनाने से लेकर पैकिंग और यात्रियों तक पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया पर भी निगरानी रखी जाएगी। पूर्व मध्य रेल के 5 मंडलों के अंतर्गत करीब 50 प्रमुख ट्रेनों की पैंटी कारों और



समस्तीपुर जंक्शन समेत 25 स्टेशनों की कैटीन में यह व्यवस्था लागू करने की तैयारी है। रेलवे का लक्ष्य मार्च 2027 तक इसे लागू करने का है। समस्तीपुर होकर चलने वाली लंबी दूरी की कई

महत्वपूर्ण ट्रेनों में पैंटी की सुविधा उपलब्ध है। इनमें 12561/12562 स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस, 12577/12578 बागमती एक्सप्रेस आदि प्रमुख ट्रेन हैं।

कैटीन और फूड प्लाजा पर भी रहेगी नजर

रेलवे की प्रस्तावित व्यवस्था में पैंटी कार के अलावा स्टेशन की कैटीन, जनआहार, फूड प्लाजा और बेस किचन को भी निगरानी के दायरे में लाया जाएगा। कैमरों से मिलने वाले अलर्ट के आधार पर संबंधित एजेंसी को तत्काल कार्रवाई करनी होगी। गड़बड़ी मिलने पर डिजिटल चालान जैसी कार्रवाई की व्यवस्था भी प्रस्तावित है।

यूसुफ पठान को एनसीपीआई में मिली बड़ी जिम्मेदारी

टीएमसी के बागी सांसद को पार्टी ने बनाया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष



कोलकाता (एजेंसी)। नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया ने अपने नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा की। पार्टी ने 27 नेताओं को संगठन में अहम जिम्मेदारियां दी हैं। इनमें तृणमूल कांग्रेस छोड़कर एनसीपीआई में शामिल हुए पूर्व सांसद भी शामिल हैं। पूर्व क्रिकेटर बहरामपुर के पूर्व टीएमसी सांसद यूसुफ पठान को एनसीपीआई का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्योतिप्रकाश चटर्जी की ओर से जारी सूची में यूसुफ पठान का नाम उपाध्यक्ष पद के लिए शामिल है। पठान के अलावा पूर्व टीएमसी सांसद अबू ताहिर खान, दीपक अधिकारी देव, जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया, रचना बनर्जी और मिताली बाग को भी उपाध्यक्ष बनाया गया है।

किचन में कैमरों से लगातार निगरानी

प्रस्तावित व्यवस्था के तहत पैंटी कार और बेस किचन में कैमरों से लगातार निगरानी की जाएगी। कैमरों की नजर में चूहा, कॉकरोच अथवा गंदगी आने पर सिस्टम अलर्ट जारी करेगा। इसकी सूचना संबंधित अधिकारी और खान-पान सेवा से जुड़ी एजेंसी तक पहुंचाने की व्यवस्था होगी। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित वेंडर या एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। सिर्फ कीड़े-मकोड़ों ही नहीं, बल्कि पैंटी कर्मचारियों की स्वच्छता पर भी एआई कैमरों से निगरानी की जाएगी। खाना तैयार करने के दौरान कर्मचारी शेफ कैप, मास्क और हैंड ग्लव्स का इस्तेमाल कर रहा है या नहीं, इसकी भी निगरानी की योजना है। खाना तैयार करने से लेकर पैकिंग तक की प्रक्रिया कैमरों के माध्यम से देखी जा सकेगी।

आजमगढ़ में पत्नी-बेटे को मारने वाले का एनकाउंटर

दो पुजारियों की भी की थी हत्या, पूजा कराने से नाराज था

गोद से गिरी 7 महीने की बच्ची ने भी अस्पताल तोड़ा दम

आजमगढ़ (एजेंसी)। यूपी के आजमगढ़ में पत्नी, बेटे और दो पुजारियों की हत्या करने वाला आरोपी एनकाउंटर में मारा गया। पकड़े जाने के डर से उसने अपने 3 बच्चों को कमरे में बंधक बना लिया। 7 घंटे बाद उसने बेटे पर गोली चला दी। इसके बाद पुलिस ने हत्यारे अरविंद सिंह (42) को मार गिराया। बंधक बनाने के दौरान ही 7 महीने की बच्ची गोद से गिर गई थी। बुधवार दोपहर को इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। अरविंद के परिवार में अब मां कमला देवी (70), बेटी परी (5) बची है। घटना जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर अहिरौला थाना क्षेत्र की है। पुलिस के मुताबिक, परिवार को शक था कि अरविंद को उसके भाई सुनील की आत्मा परेशान कर रही है। इसलिए पत्नी-मां महामृत्युंजय जाप करा रही थीं।

भाई की 8 साल पहले हत्या हुई थी, बालासाहेब ठाकरे के गनर थे

शंभूपुर गहजी गांव का रहने वाला अरविंद कोई काम नहीं करता था। परिवार में पत्नी बबीता, मां कमला देवी (70), बेटी परी (5), बेटा शौर्य और 7 महीने की बेटी हैं। 18 साल पहले उसके भाई सुनील की चचेरे भाइयों मनीष-अविनाश ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। दरअसल, अरविंद की पत्नी बबीता का मनीष के साथ अफेयर था। इसका पता चलने पर सुनील ने मनीष के खिलाफ चोरी-छेड़खानी की शिकायत की थी।

आईआईटी बॉम्बे सुसाइड केस में प्रोफेसर इला को छुट्टी पर भेजा

जांच के लिए 10 सदस्यीय कमेटी बनाई, साहिल के पिता बोले-आरोपियों की गिरफ्तारी हो



मुंबई (एजेंसी)। आईआईटी बॉम्बे ने छात्र साहिल वाकोडे के सुसाइड केस में आरोपी प्रोफेसर सूर्यनारायण इला को छुट्टी पर भेजा है। उन पर साहिल को उकसाने और जातिगत भेदभाव का आरोप है। 21 सितंबर को इला को डीन ऑफ

एडमिनिस्ट्रेटिव अफेयर्स के पद से हटाया था। संस्थान ने जांच के लिए 10 सदस्यीय हाईलेवल कमेटी बनाई है। कमेटी मौत से पहले की परिस्थितियों और आरोपों की जांच करेगी। इसकी अध्यक्षता आईआईटी पलक्कड़ के बोर्ड ऑफ

गवर्नर्स के चेयरमैन प्रो. रमेश वेंकटेश्वरन करेंगे। कमेटी एक हफ्ते में रिपोर्ट देगी। साहिल के पिता रविंद्र वाकोडे ने नामजद आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने कहा कि परिवार को किसी कमेटी से ज्यादा निष्पक्ष जांच और बेटे के लिए न्याय चाहिए। परिवार ने कहा कि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी करेंगे। साहिल 18 सितंबर की शाम हॉस्टल कमरे में फंदे से लटका मिला था। मामले की जांच मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच कर रही है। क्राइम ब्रांच एग्जाम हॉल, कैपस जांचेगा।

संक्षिप्त

समाचार

वैशाली में दुकान की पिछली दीवार तोड़कर चोरी, 1.80 लाख नकद-काजू, किशमिश और पूजा सामग्री ले गए

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र में माइल चौक स्थित एक दुकान में मंगलवार रात चोरी हो गई। चोर दुकान की पीछे की दीवार तोड़कर अंदर घुसे और गल्ले में रखे करीब 1.80 लाख रुपए नकद समेत काजू, किशमिश और पूजा सामग्री चोरी कर ले गए। चोरी की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। चोरी हाजीपुर-महनार मेन रोड पर माइल चौक स्थित धन्वंतरि पूजा सामग्री और कम्प्यूनिकेशन सोएस्पी की दुकान में हुई। दुकान मालिक पवन कुमार साह ने बताया कि मंगलवार रात चोरों ने पीछे की दीवार तोड़ दी। इसके बाद सब्बल रखे औजार से रास्ता बनाकर दुकान के अंदर घुसे। चोर गल्ले में रखे करीब 1.80 लाख रुपए निकाल ले गए। इसके अलावा काजू, किशमिश और पूजा सामग्री भी चोरी कर ली। चोरी की जानकारी मिलने के बाद बिदुपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है। फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिदुपुर थाना क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं। पूर्व जिला पतिषद प्रतिनिधि और समाजसेवी अंजन सिंह, उमेश पांडे समेत कई ग्रामीणों ने घटना पर नाराजगी जताई। ग्रामीणों ने कहा कि चोरी की घटनाओं पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने पुलिस से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

पातेपुर में इंजेक्शन लगने के बाद महिला की मौत, परिजनों ने गलत इंजेक्शन का लगाया आरोप

हाजीपुर। पातेपुर के सिमरवारा चौक स्थित एक निजी नर्सिंग होम में इंजेक्शन लगने के बाद एक महिला की मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि गलत इंजेक्शन लगने से महिला के मुंह से झाग निकलने लगा और कुछ देर बाद उसकी जान चली गई। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने नर्सिंग होम में तोड़फोड़ की। मृतका की पहचान सिमरवारा गांव निवासी टेला चालक उमेश महतो की 40 वर्षीय पत्नी रीना देवी के रूप में हुई है। रीना को बुखार था। इलाज के लिए परिजन उसे नर्सिंग होम लेकर पहुंचे थे। मृतका की छोटी गोटनी ने बताया कि डॉक्टर शत्रुघ्न ने इंजेक्शन लगाने के लिए एक कंपाउंडर को भेजा था। इंजेक्शन लगते ही रीना की हालत बिगड़ गई। परिजनों का आरोप है कि महिला के मुंह से झाग निकलने लगा और कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। उनका यह भी कहना है कि महिला की मौत के बाद डॉक्टर और इंजेक्शन लगाने वाला कंपाउंडर दोनों मौके से चले गए। परिजनों ने डॉक्टर की योग्यता पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि डॉक्टर एमबीबीएस नहीं है। महिला की मौत के बाद परिजनों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने नर्सिंग होम में तोड़फोड़ की। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। महिला की मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा।

वैशाली में एक ही रात 6 घरों में चोरी, सो रही महिलाओं के गले से मंगलसूत्र-चैन-जितिया निकाले

हाजीपुर। वैशाली के पातेपुर थाना क्षेत्र के लहलादपुर गांव में चोरों ने एक ही रात में करीब छह घरों को निशाना बनाया। चोर घरों में घुसे और सो रही महिलाओं के गले से मंगलसूत्र, जितिया और चैन निकाल लिए। इसके बाद बक्से और अलमारियां खंगालकर नकदी और अन्य सामान चोरी कर लिया। जाते समय घरों के बाहर खड़ी साइकिलें भी अपने साथ ले गए। चोरी का पता सुबह लोगों के जागने पर चला। महिलाओं के गले से जेवर गायब थे, जबकि घर के कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। एक साथ कई घरों में चोरी की जानकारी मिलते ही गले में हड़कप मच गया। पीड़ित परिवारों ने पातेपुर थाने की पुलिस को घटना की सूचना दी। ग्रामीणों के अनुसार, चोर रात के सत्राटे का फायदा उठाकर घरों में दाखिल हुए। कुछ घरों में सो रही महिलाओं के सिरहाने तक पहुंचकर उनके गले से जेवर निकाल लिए गए। महिलाओं को इसकी भनक तक नहीं लगी। इसके बाद चोरों ने घर के दूसरे हिस्सों में रखे सामान की तलाशी ली और नकदी समेत अन्य सामान लेकर फरार हो गए। चोरों की गतिविधियां गांव के मोड़ पर लगे CCTV कैमरे में कैद होने की बात सामने आई है। फुटेज में कुछ संदिग्धों को आते-जाते और सामान लेकर जाते हुए देखा गया है। पुलिस ने CCTV फुटेज को जांच में शामिल कर लिया है और संदिग्धों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। घटना के बाद ग्रामीणों में पुलिस गश्त को लेकर नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि रात में नियमित गश्त होती रहे तो इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सकती है। सूचना मिलने पर पातेपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित परिवारों से घटना की जानकारी ली। पुलिस ने CCTV फुटेज की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, संदिग्धों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। चोरी गए सामान की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सिपाही ने अपनी बहन को गोली मारकर खुद को किया शूट

एजेंसी, पटना	
पटना में बिहार पुलिस के एक सिपाही ने अपनी बहन को गोली मारकर हत्या कर दी। उसके बाद उसने सर्विस रिवॉल्वर से खुद को भी गोली मारकर सुसाइड कर लिया। पुलिस ने मौके से एक पिस्टल, 33 गोलियां और दो खोखे बरामद किए हैं। दोनों भाई-बहन की मौके पर ही मौत हो गई। घटना दानापुर इलाके के नासरीगंज के मिथिला कॉलोनी की है। दोनों के शव एक ही बेड पर मिले हैं। मृतकों की पहचान ओमचंद्र उर्फ सोनू (30) और उनकी बहन गायत्री देवी (21) के रूप में हुई है। ओमचंद्र की पोस्टिंग मोतिहारी में थी। गायत्री की शादी हो चुकी थी। तीसरी मंजिल पर रहते थे भाई-बहन- जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरपुर के रहने वाले ओम चंद्र अपने एक भाई और दो बहनों के साथ एक साल पहले मिथिला कॉलोनी स्थित ब्रजेश सिंह के मकान की तीसरी मंजिल पर रह रहे थे। ओम चंद्र को अनुकंपा पर बिहार पुलिस में नौकरी मिली थी और वह मोतिहारी में सिपाही के पद पर तैनात था। वह कभी-कभी अपने भाई-बहनों से मिलने आता था। उनका छोटा भाई उमानाथ फिलपकॉर्ट में काम करता है।	

हांगकांग लिखा हैंड ग्रेनेड बरामद 315 बोर की 5 गोलियां भी जब्त

एजेंसी, पटना	
पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र में हैंड ग्रेनेड मिला है। पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान 315 बोर की पांच जिंदा गोलियां मिली हैं। बरामद सामान की जांच के लिए बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया है। गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान रोहित कुमार और सनी कुमार के रूप में हुई है। नालंदा और पटना के रहने वाले बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक पुलिस मंगलवार रात शीतला मंदिर ओवरब्रिज के पास संदिग्ध गतिविधियों की जांच कर रही थी, तभी इन दोनों की हरकतें संदिग्ध लगी। पुलिस ने दोनों को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उनके पास से 315 बोर की पांच गोलियां और हैंड ग्रेनेड बरामद हुआ। जिस पर 'हांगकांग' अंकित है। वहीं, इस संबंध में पटना सिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी-1	

बिहार दरोगा भर्ती परीक्षा कैंसिल, पेपरलीक की हो रही जांच

एजेंसी, पटना	
बिहार में दरोगा भर्ती मुख्य परीक्षा को रद्द कर दिया गया है। विज्ञापन संख्या 05/2025 के तहत 27 मई 2026 को दो पालियों में एग्जाम ली गई थी। बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग की ओर से इस संबंध में सूचना जारी की गई है। आयोग ने कहा है कि परीक्षा की नई तारीख की जानकारी अलग से दी जाएगी। बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग (BPSSC) के अध्यक्ष केएस द्विवेदी छुट्टी पर हैं। उनके छुट्टी पर जाने के एक सप्ताह बाद परीक्षा रद्द किए जाने का फैसला लिया गया है। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि परीक्षा से संबंधित आधिकारिक सूचनाओं के लिए आयोग की वेबसाइट bpssc.bihar.gov.in देखें रहें। आयोग ने सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से असामाजिक तत्वों द्वारा फैलाए जा रहे भ्रमक संदेशों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। साथ ही आयोग ने अभ्यर्थियों को	

तेजस्वी ने की दोबारा चुनाव की मांग

एजेंसी, पटना	
आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और चुनाव आयोग को घेरा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से संवैधानिक संस्थाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह बर्बाद कर रहे हैं, वह गंभीर मामला है। तेजस्वी यादव ने कहा कि आज एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई है, जिसमें गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। इलेक्शन कमीशन इस पूरे मामले पर चुप है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने जो लिखवाया है, वही सामने आया है। चुनाव आयोग भाजपा की कठपुतली बनकर काम कर रहा है। तेजस्वी यादव ने दिल्ली, हरियाणा और पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजों को लेकर भी सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन चुनावों में जो परिणाम आया, उसमें विपक्ष को हराया गया है। तेजस्वी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने अपने फायदे के लिए सारे नियमों की धंजियां उड़ा रखी	

जमुई कांड-पटना में राजद का प्रदर्शन

एजेंसी, पटना	
जमुई में छात्रा से बदसलूकी मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी हरेराम यादव को बुधवार शाम कोर्ट में पेश किया गया। इसके बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया। कोर्ट में पेशी के बाद बाहर निकलते समय एडवोकेट आकाश पांडे ने आरोपी को जोरदार थपड़ मारा। कोर्ट ने बाहर लोगों की भीड़ ने आरोपी से पूछा- अगर तुम्हारी बहन रहती तो भी तुम यही करते। एडवोकेट आकाश पांडेय ने कहा कि छात्रा के साथ जिस तरह की घटना हुई, उसे लेकर भरे मन में काफी आक्रोश था। आरोपी ने जो काम किया, उसके लिए पूरा जमुई शर्मिंदा है। यह थपड़ सिर्फ उसके चेहरे पर नहीं, बल्कि उसके किए कारनामे के खिलाफ लोगों के आक्रोश का प्रतीक है। इधर, पटना में राजद ने प्रदर्शन किया। राजद की महिला कार्यकर्ता राजद दफ्तर से इनकम टैक्स के लिए निकलीं। वहां उन्होंने सीएम का पुतला दहन किया। इस दौरान राजद की महिला नेत्री नजीमा जमाल ने कहा कि जमुई कांड आरोपी का फुल एनकाउंटर होना चाहिए। बिहार में गरीबों के घर पर बुलडोजर तो चल जाता है, लेकिन ऐसे आरोपियों के घर पर कब बुलडोजर चलेगा। राजद नेताओं का आरोप है कि राज्य में महिलाओं और	

♦ 8 दिन पहले छुट्टी पर गए बीपीएसएससी अध्यक्ष, सेंटर से क्वेश्चन पेपरलीक होने का दावा	
परीक्षा के बाद कुछ केंद्रों से कदाचार और प्रश्नपत्र से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। सामान्य हिन्दी पेपर में 34,302 अभ्यर्थी शामिल हुए थे, जिनमें से 414 अभ्यर्थियों को विभिन्न कारणों से अयोग्य घोषित किया गया था। वहीं 33,726 अभ्यर्थी न्यूनतम अर्हता प्राप्त करने में सफल रहे। सामान्य अध्ययन पेपर में 34,298 अभ्यर्थी शामिल हुए, जिनमें 998 अभ्यर्थी अयोग्य पाए गए। 1799 पदों के लिए लिखित परीक्षा हुई थी: कुल 1799 पदों में सबसे ज्यादा 850 पद अनामरक्षित वर्ग के लिए थे। वहीं अत्यंत पिछड़ा वर्ग (EBC) के लिए 298,	पिछड़ा वर्ग (BC) के लिए 222, अनुसूचित जाति (SC) के लिए 180 और अनुसूचित जनजाति (ST) के लिए 63 पद निर्धारित थे। इसके अलावा EWS के लिए 42, पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए 36 और स्वतंत्रता सेनानी कोटे के लिए 8 पद रखे गए थे। परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर कैंडिडेट्स कर रहे थे प्रदर्शन: बता दें कि बिहार पुलिस में 1,799 दरोगा पदों के लिए 27 मई 2026 को आयोजित मुख्य लिखित परीक्षा में कथित पेपर लीक था। वहीं 33,726 अभ्यर्थी न्यूनतम अर्हता प्राप्त करने में सफल रहे। सामान्य अध्ययन पेपर में 34,298 अभ्यर्थी शामिल हुए, जिनमें 998 अभ्यर्थी अयोग्य पाए गए। 1799 पदों के लिए लिखित परीक्षा हुई थी: कुल 1799 पदों में सबसे ज्यादा 850 पद अनामरक्षित वर्ग के लिए थे। वहीं अत्यंत पिछड़ा वर्ग (EBC) के लिए 298,

एजेंसी, पटना	
बिहार विधान परिषद की 8 सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर जेडीयू ने अपने 4 कैंडिडेट्स की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से नीरज कुमार को प्रत्याशी बनाया गया है। इसके अलावा दरभंगा से घनश्याम राय को प्रत्याशी बनाया गया है। तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से अभिषेक झा और सारण शिक्षण निर्वाचन क्षेत्र से आनंद पुष्कर को प्रत्याशी बनाया है। हालांकि, बीजेपी ने अब तक अपने कैंडिडेट्स की लिस्ट जारी नहीं की है। जदयू ने तिरहुत स्नातक से अभिषेक को पहले भी बनाया था प्रत्याशी: अभिषेक झा जेडीयू के एक प्रमुख युवा नेता और पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता हैं, जो अक्सर टीवी डिबेट्स और मीडिया में नीतीश कुमार की सरकार और पार्टी का पक्ष मजबूती से रखने के लिए जाने जाते हैं। राजनीति में कदम रखने से पहले उन्होंने एनआईटी पटना से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी और वर्तमान में वे व्यावसायिक रूप से 'दिशा बिल्डर्स' के मैनेजिंग डायरेक्टर भी हैं। जेडीयू ने उन्हें साल 2026 में होने वाले तिरहुत स्नातक	

चलती ट्रेन से युवकों को फेंकने वाला वाराणसी से अरेस्ट

एजेंसी, पटना	
दानापुर रेल मंडल में चलती ट्रेन से दो युवकों को फेंकने के मामले में मुख्य आरोपी को वाराणसी से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी की पहचान रोहित निशानी के रूप में हुई है। दानापुर रेल डीएसपी कंचन राज ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी खुद को कभी एसटीएफ तो कभी आरपीएफ का कर्मचारी बताकर यात्रियों से अवैध वसूली करता था। वह नाबालिगों और नशे के आदी युवकों को अपना निशाना बनाता था। यह घटना छह सितंबर की है। कैलाश कुमार और उनके दोस्त रितेश कुमार बक्सर से पटना लौट रहे थे। बक्सर रेलवे स्टेशन पर रोहित तिवारी ने खुद को एसटीएफ कर्मी बताया और दोनों को वित्कलांग कोच में बैठने के लिए कहा। ट्रेन में सवार होने के बाद आरोपी ने दोनों से टिकट मांगा। टिकट नहीं होने पर उसने उनसे रुपए मांगे। रुपए नहीं देने पर रोहित ने कैलाश के हाथ-पैर रस्सी से बांध दिए और बिहटा-सदीसोपुर के बीच चलती ट्रेन से नीचे फेंक दिया। कुछ दूरी आगे जाकर उसने रितेश को भी ट्रेन से	

नीचे फेंक दिया।	
इस हादसे में कैलाश की मौत हो गई, जबकि रितेश गंभीर रूप से घायल हो गया। सात सितंबर को सदीसोपुर रेलवे ट्रैक से कैलाश का शव मिला था। नौ सितंबर को भोजपुर निवासी अर्जुन कुमार ने दानापुर जीआरपी में शिकायत दर्ज कराई। दानापुर रेल डीएसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष एसआईटी बनाई गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी की पहचान की। घायल रितेश को आरोपी का चेहरा दिखाया गया, जिसके बाद उसने भी उसे पहचान लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी का कोई तय ठिकाना नहीं था। वह वारदात के बाद अलग-अलग रेलवे स्टेशन और होटलों में रुकता था। वह पीड़ितों के मोबाइल का भी इस्तेमाल करता था।	कहा था कि जात-पात की बात करने से काम नहीं चलेगा। ऐसे अपराध करने वालों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए, चाहे वह कोई भी हो और किसी भी जाति का हो। अपराधियों की कोई जाति नहीं होती, जो अपराध करें, उसे सजा मिलनी चाहिए।' यह मामली घटना नहीं है। इस घटना को लेकर देशभर में सरकार की आलोचना हो रही है। इससे पहले भी कई बड़ी घटनाएं हुई हैं। सरकार को बताना चाहिए कि उन घटनाओं पर क्या कार्रवाई हुई। राज्यपाल से मिले पप्पू यादव: पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव राज्यपाल से मिलने राजभवन पहुंचे हैं। वो बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन से मुलाकात कर जमुई की घटना और राज्य में महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को उठाएंगे। शाम 5 बजे कारगिल चौक पर जन सुराज प्रदर्शन: जनसुराज संघर्ष वाहिनी की ओर से शाम 5 बजे जमुई की घटना के विरोध में प्रदर्शन और नागरिक मार्च आयोजित किया गया है। जन सुराज के छात्र और युवा कार्यक्रमताओं ने इसे बेटियों की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा बताया है। संगठन की ओर से पटना के आम नागरिकों, छात्रों और विभिन्न वर्गों के लोगों से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की गई है।

पुलिस लाइन से सटे नाले में मिली पुलिसकर्मी की बाँडी

एजेंसी, पटना	
पटना के बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र में पुलिस लाइन से सटे गोलघर चौराहा के पास नाले से एक पुलिसकर्मी का शव मिला है। मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान जमदावर बच्चा कुटमार राव के रूप में हुई है। शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। हत्या कर शव फेंकने की आशंका है। मृतक की पत्नी ने बताया कि बच्चा कुमार राव साल 1999 में पुलिस की इधुटी में आए थे। 2025 से पटना में तैनात थे। घटना से एक दिन पहले दिन में पति से फोन पर बात हुई थी। उस दौरान उन्होंने किसी तरह की समस्या या परेशानी नहीं बताई थी। घटना के समय परिवार के लिए	

अपने पैतृक घर बेतिया में थे। पत्नी ने शव मिलने की स्थिति पर भी सवाल उठाते हुए आशंका जताई है। उनका कहना है कि जिस तरीके से नाले में शव मिला है, वहां किसी व्यक्ति का आसानी से घुसना संभव नहीं है। साजिश की आशंका जताई है।

पुलिस ने शव को नाले से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

हैं। पिछले एक साल से ज्यादा समय से पूर्णिया यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार हैं। इससे पहले पूर्णिया यूनिवर्सिटी और नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी में रजिस्ट्रार रह चुके हैं। डेढ़ साल पहले जेडीयू की सदस्यता ली थी। घनश्याम राय ने बताया कि 20 दिन पहले पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने तैयारी करने के लिए कहा था। बताया गया था कि दरभंगा शिक्षक से मुझे कैंडिडेट बनाया जाएगा। जन सुराज ने 3 दिन पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस कर MLC कैंडिडेट्स की लिस्ट जारी की थी। इसमें दरभंगा शिक्षक सीट से एसपी राय, दरभंगा स्नातक सीट से रवींद्र यादव और सारण शिक्षक सीट से अफाक अहमद को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, पटना शिक्षक सीट से दिव्या ज्योति और कोसी स्नातक से रजनीश रंजन को उम्मीदवार बनाया है। हालांकि, 2 स्नातक और 1 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए प्रत्याशियों की घोषणा अभी नहीं की गई है। बिहार विधान परिषद के स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन 2026 को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने अपने 6 प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। पार्टी की ओर से जारी सूची में स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 6 कैंडिडेट्स के नाम हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारत-नेपाल सीमा समन्वय समिति की उच्चस्तरीय बैठक, तस्करी व अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण को लेकर बनी रणनीति

बीएनएम@ मोतिहारी। भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और सीमा पार होने वाली अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से रक्सौल आईसीपी परिसर में भारत-नेपाल जिला स्तरीय सीमा समन्वय समिति की उच्चस्तरीय बैठक बुधवार को आयोजित की गई। उक्त बैठक में नेपाल के सीमावर्ती जिलों के पदाधिकारियों के साथ पूर्वी चंपारण एवं पश्चिमी चंपारण के वरीय अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव तथा नेपाल के पर्सा जिले के सीडीओ ने की। इस दौरान सीमा सुरक्षा, जाली नोटों के कारोबार, हथियार, ड्रग्स एवं नारकोटिक्स, शराब, तंबाकू समेत अन्य अवैध वस्तुओं की तस्करी पर नियंत्रण को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। अधिकारियों ने क्रॉस बॉर्डर अपराधों पर नियंत्रण, मोस्ट वांटेड अपराधियों की गिरफ्तारी, विदेशी नागरिकों एवं संदिग्ध लोगों की अवैध आवाजाही पर रोक तथा सीमा क्षेत्र में अवांछित गतिविधियों की निगरानी जैसे मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया। दोनों देशों के अधिकारियों ने आपसी सूचनाओं के आदान-प्रदान और बेहतर समन्वय को और मजबूत करने पर जोर दिया। बैठक के बाद दोनों जिलाधिकारियों ने संयुक्त रूप से कहा कि वार्ता सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक माहौल में हुई। अधिकारियों के अनुसार, बैठक में हुए विचार-विमर्श से आने वाले समय में सीमा पार की अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण में सहयोग मिलेगा। बैठक में पर्सा एवं बारा जिले के सीडीओ सहित नेपाली अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल, पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी चंपारण के जिलाधिकारी, बागहा के पुलिस अधीक्षक, अपर समाहर्ता, उप विकास आयुक्त, सदर एसडीओ मोतिहारी, एसडीओ रक्सौल, डीसीएलआर रक्सौल, एसडीपीओ, डीएफओ, उत्पाद अधीक्षक पूर्वी चंपारण, एसएसबी कमांडेंट समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सिकरिया फार्मसी कॉलेज में फार्माकोविजिलेंस सप्ताह का आगाज, एएमआर के प्रति जागरूकता का दिया संदेश

बीएनएम@ मोतिहारी। शहर स्थित सिकरिया फार्मसी कॉलेज में बुधवार को फार्माकोविजिलेंस सप्ताह का शुभारंभ उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। इस वर्ष सप्ताह का विषय 'स्वस्थ भारत : एंटीमाइक्रोबियल रेंजिस्टेंस (एएमआर) से मुकाबला' रखा गया है। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य एंटीमाइक्रोबियल दवाओं के विवेकपूर्ण उपयोग तथा दवाओं के प्रति बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता के संबंध में विद्यार्थियों और आम लोगों को जागरूक करना रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. प्रिंस कुमार वर्मा, वरिष्ठ सर्जन, जीवन ज्योति हॉस्पिटल, संस्थान के सचिव यमुना सिकरिया तथा कॉलेज की प्राचार्या डॉ. प्रीति कुमारी दुबे ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए पोस्टर प्रेजेंटेशन, फार्मा क्विज एवं रील मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने एंटीमाइक्रोबियल रेंजिस्टेंस के कारण, दुष्प्रभाव और इससे बचाव के उपायों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। फार्मा क्विज में विद्यार्थियों ने दवा एवं फार्मसी से जुड़े सवालों के जवाब देकर अपनी जानकारी का प्रदर्शन किया। वहीं, रील मेकिंग प्रतियोगिता के माध्यम से दवाओं के जिम्मेदार उपयोग और एएमआर की रोकथाम का संदेश प्रभावी ढंग से दिया गया। मुख्य अतिथि डॉ. प्रिंस कुमार वर्मा ने कहा कि एंटीमाइक्रोबियल रेंजिस्टेंस मौजूदा समय की गंभीर वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती है। एंटीबायोटिक समेत अन्य एंटीमाइक्रोबियल दवाओं का अनावश्यक अथवा गलत इस्तेमाल दवाओं की प्रभावशीलता को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने इसके उपयोग के लिए एव्यस्थकर्मियों के साथ आम लोगों की जागरूकता और सहभागिता को आवश्यक बताया। प्राचार्या डॉ. दुबे ने विद्यार्थियों को फार्माकोविजिलेंस और दवा सुरक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि भविष्य के फार्मासिस्टों की भूमिका केवल दवा उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की दवाओं के सुरक्षित, सही और जिम्मेदार इस्तेमाल के प्रति जागरूक करना भी उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय परिवार के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में प्राचार्या डॉ. प्रीति कुमारी दुबे ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया।

दिनकर जयंती पर महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता शिविर का आयोजन

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर के डॉ. श्रीकृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में बुधवार को राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जयंती के अवसर पर 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 'सेवा मेरा योगदान' से कार्यक्रम के अंतर्गत महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) नलिन विलोचन ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक प्रमोद कुमार ने दीप प्रज्वलित कर तथा राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया। विधायक श्री कुमार ने कहा कि मातृशक्ति के

बिना सृष्टि की कल्पना संभव नहीं है। महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्त्री मां, बहन, पत्नी और बेटी के रूप में परिवार की आधारशिला है। महिलाओं के स्वस्थ और स्वच्छ रहने से कार्यक्रम की आधारशिला है। महिलाओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता शिविर का निर्माण संभव है। उन्होंने 'सेवा संकल्प अभियान' के उद्देश्यों पर भी आवश्यकता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) लाल बाबू प्रसाद ने कहा कि महिलाएं परिवार की शक्ति हैं। जिस प्रकार समाज में देवी दुर्गा की पूजा की जाती है, उसी प्रकार घर की महिलाओं के स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। डॉ. हेना चंद्रा ने महिला स्वास्थ्य, सम्मान एवं अस्मितता

बंजरिया शिक्षक हत्याकांड: वाइट कॉलर क्रिमिनल बनाम कानून

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी/बंजरिया। पूर्वी चंपारण के बंजरिया में शिक्षक शमसाद की हत्या के मामले में जफ़ीर आजाद उर्फ चमन की गिरफ्तारी के बाद पूरे घटनाक्रम को लेकर कई सवाल सामने आए हैं। मामला जमीन विवाद, खेत से मिट्टी काटने के विवाद और ग्रामीण राजनीति से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस की कार्रवाई के बाद अब इस मामले में कथित आपराधिक और राजनीतिक प्रभाव के पहलू भी चर्चा में हैं। घटना के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने जफ़ीर आजाद उर्फ चमन पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

इस दौरान कुछ आरोपियों की गिरफ्तारी भी की गई। इसके बाद पुलिस को चमन की तलाश थी और अंततः उसकी गिरफ्तारी मोतिहारी से ही किए जाने की जानकारी सामने आई।

मामले में पुलिस की कार्रवाई को लेकर मोतिहारी एसपी स्वर्ण

प्रभात की भूमिका भी चर्चा में है। पुलिस का रुख स्पष्ट रहा कि गंभीर आपराधिक मामले में आरोपी की सामाजिक या राजनीतिक पहचान कार्रवाई के रास्ते में बाधा नहीं बन सकती।

विवाद की शुरुआत कहां से हुई? मामले की पृष्ठभूमि में जमीन से जुड़ा विवाद और खेत से मिट्टी काटने का मुद्दा सामने आने की बात कही जा रही है। इसके साथ ही ग्रामीण राजनीति और स्थानीय वर्चस्व का पहलू भी चर्चा में है।

ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन, रास्ते, खेत और राजनीतिक प्रभाव को लेकर विवाद पहले भी सामने आते रहे हैं। लेकिन इस मामले में सवाल यह है कि कथित विवाद आखिर उस स्तर तक कैसे पहुंचा जहां शिक्षक शमसाद की जान चली गई।

जांच के लिहाज से यह भी महत्वपूर्ण है कि घटना से पहले दोनों पक्षों के बीच किस तरह का विवाद था, किन लोगों के बीच विवाद था और घटना के समय वास्तव में क्या हुआ।

अपहरण और मारपीट से मौत या पूर्व नियोजित हत्या?



मामले में शिक्षक को कथित तौर पर अगवा किए जाने और मारपीट के बाद मौत होने की बात भी सामने आई है। हालांकि घटना की वास्तविक परिस्थितियों और मौत के कारणों को लेकर अंतिम निष्कर्ष जांच और न्यायिक प्रक्रिया से ही सामने आएगा।

जांच में यह महत्वपूर्ण होगा कि क्या हत्या पहले से सुनियोजित थी या किसी विवाद के दौरान हिंसा बढ़ने से मौत हुई। इसके अलावा यह संभावना भी जांच का हिस्सा हो सकती है कि कहीं किसी तीसरे पक्ष ने विवाद का फायदा तो नहीं उठाया।

अपने आप में किसी आपराधिक गतिविधि में संलिप्तता का प्रमाण नहीं है। लेकिन सवाल है कि क्या पदाधिकारी किसी आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति के साथ फोटो खिंचवा सकते हैं।

लेकिन किसी आरोपी की सामाजिक पहुंच और प्रभाव की जांच, यदि वह मामले से संबंधित हो, तो पुलिस के लिए एक अलग पहलू हो सकता है।

सबसे अहम सवाल यही है कि क्या इस कथित सामाजिक-राजनीतिक प्रभाव का इस हत्याकांड से कोई प्रत्यक्ष संबंध है। इसका जवाब पुलिस जांच से ही सामने आएगा।

रसूख बनाम कानून-चमन की गिरफ्तारी के बाद यह संदेश जरूर गया है कि गंभीर आपराधिक मामले में पुलिस आरोपी की सामाजिक पहचान से अलग कार्रवाई कर सकती है।

लेकिन इस पूरे मामले का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है—क्या ग्रामीण स्तर पर राजनीतिक प्रभाव, जमीन विवाद और कथित बाहुबल का मेल विवादों को हिसा

की ओर धकेल रहा है? अगर विवाद का समाधान बातचीत, पंचायत, पुलिस या अदालत के बजाय हिंसा से होने लगे, तो यह केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं रहती, बल्कि पूरे ग्रामीण समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन जाती है।

फिलहाल जफ़ीर आजाद उर्फ चमन गिरफ्तार है। उसके खिलाफ लगाए गए आरोपों की न्यायिक जांच होनी है। पुलिस जांच में सामने आने वाले साक्ष्यों और अदालत के निर्णय से ही यह स्पष्ट होगा कि शिक्षक शमसाद की हत्या के पीछे वास्तविक घटनाक्रम क्या था और इसमें किसकी क्या भूमिका थी।

एक बात जरूर स्पष्ट है—सामाजिक या राजनीतिक रसूख किसी व्यक्ति को कानून से ऊपर नहीं कर सकता।

और इस मामले का सबसे बड़ा सवाल भी यही है— आखिर एक ग्रामीण विवाद शिक्षक शमसाद की हत्या तक कैसे पहुंचा और इस पूरी घटना के पीछे वास्तविक कारण क्या था?

मध्यस्थता से विवादों के त्वरित और सौहार्दपूर्ण समाधान पर जोर

पैनल अधिवक्ताओं की बैठक में विधिक सेवा योजनाओं और 'राष्ट्र के लिए मध्यस्थता 3.0' अभियान पर हुई विस्तृत चर्चा

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के सचिव नितिन त्रिपाठी की अध्यक्षता में बुधवार को सभी पैनल अधिवक्ताओं के साथ बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में 'राष्ट्र के लिए मध्यस्थता 3.0' अभियान को प्रभावी बनाने तथा अधिकाधिक मामलों का मध्यस्थता के माध्यम से त्वरित और सौहार्दपूर्ण समाधान सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान सचिव नितिन त्रिपाठी



ने पैनल अधिवक्ताओं को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यों एवं उद्देश्यों के साथ-साथ नि:शुल्क विधिक सहायता की व्यवस्था, विभिन्न विधिक सेवा योजनाओं और अभियानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पैनल अधिवक्ताओं की भूमिका केवल न्यायालय में पक्षकारों की पैरवी तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के जरूरतमंद और वंचित वर्गों तक विधिक सहायता एवं न्याय की पहुंच सुनिश्चित करने में

भी उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने मध्यस्थता की उपयोगिता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि विवादों के त्वरित, सरल और सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए यह एक प्रभावी माध्यम है। आपसी सहमति से छोटे-छोटे विवादों का समाधान होने से न केवल पक्षकारों का समय और संसाधन बचता है, बल्कि उनके आपसी संबंध भी कायम रह सकते हैं। उन्होंने पैनल अधिवक्ताओं से आह्वान किया कि 'राष्ट्र के लिए

मध्यस्थता 3.0' अभियान के तहत अधिक से अधिक उपयुक्त मामलों की पहचान कर पक्षकारों को मध्यस्थता के माध्यम से विवाद सुलझाने के लिए प्रेरित करें। बैठक में पैनल अधिवक्ताओं के कार्य निष्पादन एवं प्रदर्शन की भी समीक्षा की गई। इस दौरान अधिवक्ताओं ने कार्य के दौरान सामने आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों, समस्याओं तथा विधिक सहायता से जुड़े विभिन्न मुद्दों को रखा। सचिव ने संबंधित विषयों पर आवश्यक सुझाव एवं दिशा-निर्देश देते हुए प्रभावी ढंग से कार्य करने पर जोर दिया। बैठक का उद्देश्य विधिक सेवा योजनाओं को जरूरतमंद लोगों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाना तथा मध्यस्थता के माध्यम से विवादों के शीघ्र एवं स्थायी समाधान को बढ़ावा देना रहा।

आज गांधी मैदान से दिखेगा रोमांचक एयर शो, तिरंगे के रंगों से सजेगा आसमान

» मोतिहारी के आसमान में गरजेगा सूर्यकिरण का हवाई कौशल

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। मोतिहारी वासियों के लिए आज 24 सितंबर का दिन खास होने जा रहा है। भारतीय वायु सेना की प्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम (SKAT) गुरुवार को मोतिहारी के आसमान में रोमांचक हवाई प्रदर्शन करेगी। मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए पहले 25 सितंबर को प्रस्तावित एयर शो को अब 24 सितंबर को आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। सुबह 9 बजे होने वाला यह प्रदर्शन नगर के गांधी मैदान से स्पष्ट रूप से देखा जा सकेगा। 2026 के प्रशिक्षण सत्र के सफल समापन के बाद सूर्यकिरण टीम अपनी नई संरचना के साथ देश के विभिन्न हिस्सों में एरोबैटिक प्रदर्शन कर रही है। इस वर्ष टीम में पांच

नए सदस्य शामिल किए गए हैं, जो अनुभवी पायलटों के साथ मिलकर टीम की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम नौ लाल-सफेद हॉक एमके-132 विमानों के साथ हवाई करतब दिखाती है। हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (आईक्यूएसी) द्वारा भारत में लाइसेंस के तहत निर्मित इन विमानों से लूप, बैरल रोल, उल्टी उड़ान और चर्चित 'डीएनए' मैनुवर जैसे जटिल करतब प्रस्तुत किए जाते हैं। इन प्रदर्शनों में पायलटों के बीच असाधारण सटीकता, समन्वय, अनुशासन और टीमवर्क देखने को मिलता है। कुछ जटिल एरोबैटिक मैनुवर्स के दौरान विमानों के बीच की दूरी पांच मीटर से भी कम रह जाती है। ऐसे में प्रत्येक करतब पायलटों के उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, कौशल, अनुशासन और आपसी विश्वास का परिचायक होता है। एयर शो को और आकर्षक बनाने के लिए हॉक एमके-132 विमानों में स्वदेशी रूप से विकसित रंगीन



स्मोक पॉइंस का इस्तेमाल किया जाता है। भारतीय वायु सेना के बेस

में केसरिया, सफेद और हरे रंग की धुआं-धाराएं छोड़ते हुए तिरंगे का मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करते हैं। 1996 में स्थापित सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम को एशिया की नौ विमानों वाली प्रमुख एरोबैटिक टीम के रूप में पहचान मिली है। टीम भारत में 800 से अधिक हवाई प्रदर्शन कर चुकी है। इसके अलावा चीन, श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड, सिंगापुर, यूएई और दुबई सहित विभिन्न देशों में आयोजित अंतरराष्ट्रीय एयर शो में भी भारतीय वायु सेना का प्रतिनिधित्व कर चुकी है। भारतीय वायु सेना की 'Ambassadors of the Indian Air Force' के रूप में सूर्यकिरण टीम देश-विदेश में वायु सेना की पेशेवर क्षमता, अनुशासन और उत्कृष्टता का प्रदर्शन करती है। टीम के प्रदर्शन युवाओं को सशस्त्र बलों में करियर के लिए प्रेरित करने और भारतीय वायु सेना की कार्य संस्कृति एवं मूल्यों से परिचित कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गुप

कैप्टन अजय दसरथी के नेतृत्व में टीम सटीकता, अनुशासन और टीम भावना का प्रदर्शन करेगी। नौ विमानों को एक साथ फॉर्मेशन में उड़ाने वाले प्रत्येक मैनुवर में पायलटों के बीच समन्वय और आपसी विश्वास की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मोतिहारी में होने वाला यह एयर शो बिहार के लिए भी खास है। सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम के मेडिकल ऑफिसर पताइट लेफ्टिनेंट आदर्श चौधरी के निवास हैं। एयर शो आम नागरिकों के साथ-साथ युवाओं के लिए भारतीय वायु सेना की कार्यप्रणाली, प्रशिक्षण और पेशेवर उत्कृष्टता को करीब से समझने का अवसर होगा। खासकर सशस्त्र बलों में करियर बनाने की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए यह उत्कृष्टता का प्रदर्शन करती है। टीम के प्रदर्शन युवाओं को सशस्त्र बलों में करियर के लिए प्रेरित करने और भारतीय वायु सेना की कार्य संस्कृति एवं मूल्यों से परिचित कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गुप

एल.एन दूबे कॉलेज में जीवन विज्ञान में करियर के अवसरों पर मासिक व्याख्यान

आणविक जीव विज्ञान के मूल तत्वों से छात्रों को कराया गया परिचय, करियर की संभावनाओं पर हुई चर्चा

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर के लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय (एलएनडी कॉलेज) के प्राणि विज्ञान विभाग, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) एवं अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ (आरडी एण्ड सेल) के संयुक्त तत्वावधान में तथा एनवायरमेंट एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी, खजुराहो, मध्य प्रदेश के सहयोग से आयोजित मासिक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन बुधवार को महाविद्यालय के सैनिटार हॉल में किया गया। कार्यक्रम का विषय "जीवन विज्ञान के क्षेत्र में करियर के अवसर: आणविक जीव विज्ञान के मूल तत्व न्यूक्लियोटाइड से डीएनए तक" था। व्याख्यान प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक चला। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. शशिकांत राय उपस्थित रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान में छात्रों को जीवन विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्ध



विभिन्न करियर अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जीवन विज्ञान वर्तमान समय में अनुसंधान, शिक्षा, जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और उद्योग सहित अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वहीं डॉ. राय ने न्यूक्लियोटाइड की संरचना से लेकर डीएनए के कार्य तक के विषय को सरल एवं रोचक तरीके से समझाया। उन्होंने कहा, "आणविक जीव विज्ञान को समझना केवल किताबी ज्ञान नहीं है, बल्कि यह जीवन को समझने की कुंजी है। यदि बुनियाद मजबूत

हो तो जीवन विज्ञान में करियर की असीम संभावनाएं हैं।" कार्यक्रम की अध्यक्षता सभ्य में अनुसंधान, शिक्षा, जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और उद्योग सहित अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वहीं डॉ. राय ने न्यूक्लियोटाइड की संरचना से लेकर डीएनए के कार्य तक के विषय को सरल एवं रोचक तरीके से समझाया। उन्होंने कहा, "आणविक जीव विज्ञान को समझना केवल किताबी ज्ञान नहीं है, बल्कि यह जीवन को समझने की कुंजी है। यदि बुनियाद मजबूत

हो तो जीवन विज्ञान में करियर की असीम संभावनाएं हैं।" कार्यक्रम की अध्यक्षता सभ्य में अनुसंधान, शिक्षा, जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और उद्योग सहित अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वहीं डॉ. राय ने न्यूक्लियोटाइड की संरचना से लेकर डीएनए के कार्य तक के विषय को सरल एवं रोचक तरीके से समझाया। उन्होंने कहा, "आणविक जीव विज्ञान को समझना केवल किताबी ज्ञान नहीं है, बल्कि यह जीवन को समझने की कुंजी है। यदि बुनियाद मजबूत

संक्षिप्त समाचार

एक पेड़ मां के नाम” अभियान के तहत हुआ पौधारोपण

बीएनएम@ बेतिया: बैरिया प्रखंड क्षेत्र के पखनाहा रोड स्थित अंश एकेडमी स्कूल में बुधवार को “एक पेड़ मां के नाम” अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के संस्थापक नवीन श्रीवास्तव ने की, जिसमें छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने विद्यालय परिसर में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षक नवीन कुमार ने कहा कि पेड़ न केवल पर्यावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की भी नींव हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से हर साल कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का आह्वान किया। डायरेक्टर नवीन श्रीवास्तव ने कहा कि यह अभियान प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और मां के प्रति सम्मान का अनूठा प्रतीक है।इस अवसर पर छात्रा शबरन खातून, प्रीति कुमारी, साना परवीन, प्रीतम कुमार, रंशेन कुमार, और कुलदीप कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर लगाए गए पौधों की नियमित रूप से देखभाल करने की शपथ ली।

मच्छरगांवा में नहर सफाई के बाद सड़क पर फैला मलबा

15 दिनों से परेशान ग्रामीणों ने खुद शुरू की सफाई

बीएनएम@ योगापट्टी संवाददाता: योगापट्टी प्रखंड के मच्छरगांवा नगर पंचायत के वार्ड 10 स्थित विशुनपुरवा मटकोटा गांव में नहर सफाई के बाद सड़क पर फैला मलबा ग्रामीणों के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। करीब 15 दिनों से रास्ते पर कीचड़ और मिट्टी पड़ी होने से पैदल चलना और वाहनों से आना-जाना दूभर हो गया है।ग्रामीणों के अनुसार, नहर सफाई के दौरान निकाली गई मिट्टी को किनारे करने के बजाय मुख्य मार्ग पर ही छोड़ दिया गया था, जो बारिश और आवाजही से पूरे रास्ते में फैल गई। अधिकारियों से कई बार शिकायत के बावजूद जब कोई समाधान नहीं हुआ, तो बुधवार को ग्रामीणों ने खुद ही श्रमदान कर दोपहिया वाहनों के गुजरने लायक रास्ता बनाया।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सड़क की मरम्मत नहीं हुई तो परेशानी और बढ़ेगी। स्थानीय जनप्रतिनिधि ने भी नगर पंचायत के अधिकारियों से इसकी शिकायत की है। वहीं, नगर पंचायत प्रशासन ने सफाई के लिए जल्द ही जेसीबी मशीन उपलब्ध कराने और रास्ते को सुचारु करने का आश्वासन दिया है। ग्रामीण अब जल्द राहत की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

डीएम और एसपी के संयुक्त नेतृत्व में समीक्षा बैठक

आगामी पर्व-त्योहारों की तैयारियों की हुई समीक्षा

बीएनएम@ शेखपुरा. मंथन सभागार में बुधवार को जिला पदाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के संयुक्त नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से भूमि विवाद से जुड़े मामलों, जिले की विधि-व्यवस्था और आगामी पर्व-त्योहारों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।अधिकारियों ने भूमि विवाद के मामलों की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को इनके त्वरित और प्रभावी निष्पादन के लिए कड़े निर्देश दिए। इसके साथ ही, आगामी पर्व-त्योहारों के दौरान जिले में शांति, विधि-व्यवस्था और आपसी सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रशासनिक और पुलिस स्तर पर की जा रही तैयारियों का जायजा लिया गया।संवैदनशील क्षेत्रों पर विशेष सतर्कता बरतने, किसी भी संभावित विवाद पर तत्काल एक्शन लेने और आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया है, ताकि सभी पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सकें।

आरोपी पक्ष की तरफ से कोई वकील नहीं करेगा पैरवी

शेखपुरा बार एसोसिएशन का बड़ा फैसला

बीएनएम@ शेखपुरा. जमुई में नाबालिग के साथ हुई छेड़खानी के मामले में शेखपुरा बार एसोसिएशन ने एक कड़ा और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। एसोसिएशन ने साफ कर दिया है कि शेखपुरा जिले का कोई भी अधिवक्ता जमुई जाकर आरोपी पक्ष की ओर से मुकदमे की पैरवी नहीं करेगा।इससे पहले जमुई बार एसोसिएशन ने भी यह फैसला लिया था कि स्थानीय स्तर पर आरोपी का कोई वकील केस नहीं लड़ेगा। इसके बाद यह चर्चा उठी थी कि आरोपी पक्ष बचाव के लिए दूसरे जिलों के वकीलों की मदद ले सकता है। इस संभावना को देखते हुए शेखपुरा बार एसोसिएशन ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए बाहरी वकीलों के रास्ते भी बंद कर दिए हैं। इस कड़े फैसले के बाद से विधिक हलकों में वकीलों के इस एकजुट रुख की काफी चर्चा हो रही है।

अज्ञात ट्रक की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की दर्दनाक मौत

बेतिया-तौरिया मुख्य पथ पर भीषण सड़क हादसा

बीएनएम@ बेतिया: बेतिया-तौरिया मुख्य मार्ग स्थित एनएच-727 पर जिरिया बंगाली माई स्थान के समीप बुधवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। ये तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर बेतिया से अपने घर लौट रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक अज्ञात ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में याकुब मियां (20), शाहिल मियां (22) और सुंदर राम गंधीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को तुरंत तौरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जीएमसीएच, बेतिया रेफर कर दिया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।मृतक सभी युवक बेतवा लखनपुर पंचायत के मौलानगर जवाहिरपुर गांव के रहने वाले थे, जिनमें याकुब और शाहिल आपस में चचेरे भाई थे। परिवजनों और ग्रामीणों के अनुसार, तीनों अविवाहित थे और बिजबनिया चौक पर सब्जी की दुकान चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे, और इनमें से एक युवक की शादी इसी साल दिसंबर महीने में तय थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और थानाध्यक्ष इन्द्रजीत पासवान ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त कर आगे की कार्रवाई और मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय मुखिया अनिल कुमार राम समेत पूरे गांव ने इस बड़ी त्रासदी पर गह्रा शोक व्यक्त किया है। एक ही गांव के तीन युवाओं की अचानक हुई इस मौत से पूरे इलाके में मामूली सन्नाटा पसरा हुआ है, वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले करीब एक महीने के भीतर एनएच-727 पर यह दूसरा बड़ा और भयानक सड़क हादसा हुआ है।

आयुर्वेद का ज्ञान नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी : मीणा

बीएनएम@ रक्सौल

भारत के महावाणिज्य दूतावास, वीरगंज की ओर से बुधवार को ‘आयुर्वेद दिवस’ मनाया गया। ‘स्वस्थ कल के लिए आयुर्वेद’ के संदेश के साथ आयोजित कार्यक्रम में आयुर्वेद के महत्व, स्वस्थ जीवनशैली और पारंपरिक चिकित्सा पद्धति की उपयोगिता पर चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारत के महावाणिज्यदूत डी. एस. मीणा ने कहा कि आयुर्वेद मानव जीवन को स्वस्थ और संतुलित बनाए रखने वाली महत्वपूर्ण पारंपरिक चिकित्सा पद्धति है। यह केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित खान-पान और प्राकृतिक उपचार से भी जुड़ा है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद से जुड़ा ज्ञान और इसके अभ्यास को नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। मीणा ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक एवं चिकित्सकीय संबंधों



को मजबूत करने में आयुर्वेद की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रादेशिक आयुर्वेद तथा वैकल्पिक चिकित्सालय के डॉ. शिवनारायण गुप्ता ने कहा कि आयुर्वेद रोग होने के बाद उपचार तक सीमित नहीं है। रोगों से बचाव और शरीर को स्वस्थ रखने में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। दैनिक जीवन में संतुलित खान-पान, नियमित दिनचर्या, योग और प्राकृतिक जीवनशैली अपनाकर कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सकता है। उन्होंने आयुर्वेद के वैज्ञानिक पक्ष पर शोध को बढ़ावा देने और इसके प्रचार-प्रसार को व्यापक

बनाने पर जोर दिया। साथ ही आधुनिक स्वास्थ्य प्रणाली के साथ समन्वय कर आयुर्वेद को आगे बढ़ाने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में महावाणिज्य दूतावास के कौमुल मनीष दास, प्रादेशिक आयुर्वेद तथा वैकल्पिक चिकित्सालय के डॉ. महारुद्र ठाकुर, डॉ. पुनीता केशरी, डॉ. राहुल विक्रम शाह, डॉ. मनीष शाह, समाजसेवी संजय अग्रवाल, नेपाल पत्रकार महासंघ पर्सों के सदस्य, नेपाल फोटो पत्रकार महासंघ के केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य राहुल कुमार गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में चिकित्सकों ने आयुर्वेद के महत्व, दैनिक जीवन में इसके उपयोग, प्राकृतिक उपचार पद्धति और स्वस्थ जीवनशैली के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ समन्वय करते हुए आयुर्वेद के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उक्त कार्यक्रम का संचालन भारत के महावाणिज्य दूतावास, वीरगंज के कौमुल (ईसीसी) मनीष दुधपुरी ने किया।

पुलिस की कार्रवाई: तीन अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए



बीएनएम@ रामगढ़वा

स्थानीय थाना पुलिस ने विभिन्न मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, रामगढ़वा थाना कांड संख्या- 305/26, हत्या के प्रयास के मामले में प्राथमिकी अभियुक्त विनोद यादव (लगभग 60 वर्ष), पिता स्व. विश्वनाथ यादव, निवासी अहिरौलिया

को गिरफ्तार किया गया। वहीं, रामगढ़वा थाना कांड संख्या 341/26, एनडीपीएस एक्ट से जुड़े मामले में प्राथमिकी अभियुक्त गोपाल सहनी (लगभग 40 वर्ष) पिता स्व. रामेश्वर सहनी, निवासी मलाही टोला, रामगढ़वा को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा, रामगढ़वा थाना कांड संख्या- 431/26 के प्राथमिकी अभियुक्त रूपेश यादव (लगभग 38 वर्ष), पिता स्व. हरेंद्र यादव,

निवासी रामगढ़वा बाजार को शराब सेवन के आरोप में गिरफ्तार किया गया। वहीं थानाध्यक्ष इस्पेक्टर संजीव मौआर ने बताया कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, अवैध शराब कारोबार पर रोकथाम और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद तीनों गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

अपहरण की झूठी कहानी रचने वाला युवक मां के साथ गिरफ्तार, पुलिस जांच में खुला पूरा राज

बीएनएम@ मोतिहारी/हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के पैठानपट्टी गांव निवासी 19 वर्षीय दिलखुश कुमार के कथित अपहरण की सूचना पर पुलिस ने त्वरित जांच शुरू की। तकनीकी जांच में मामला संदिग्ध मिलने के बाद पुलिस ने दिलखुश को उसके एक परिचित के यहां से बरामद कर लिया। पृष्ठताछ में कथित अपहरण की पूरी कहानी सामने आ गई। मामले में पुलिस ने दिलखुश कुमार और उसकी मां संजु देवी को गिरफ्तार कर न्यायालय में भेज दिया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि 21 सितंबर की रात दिलखुश की मां संजु देवी ने 112 पर सूचना दी थी कि उसके पुत्र का ओलहा पेट्रोल पंप के पास से बाइक समेत अपहरण कर लिया गया है। सूचना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। वैज्ञानिक तरीके से जांच करने पर दिलखुश का मोबाइल फाइंडर थाना क्षेत्र में बंद पाया गया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि 19 सितंबर को दिलखुश कुमार ने अपनी मां के साथ मिलकर भूलेन साह की पत्नी पन्ना देवी के साथ मारपीट की थी, जिसमें पन्ना देवी के सिर में चोट आई थी। पट्टीदारी का मामला होने के कारण उस समय थाना में आवेदन नहीं



दिया गया था। थानाध्यक्ष ने बताया कि तकनीकी जांच और अन्य सुरागों के आधार पर पुलिस ने 22 सितंबर को दिलखुश के एक परिचित के यहां छापेमारी कर उसे बरामद किया। पृष्ठताछ में दिलखुश ने पुलिस को बताया कि पन्ना देवी के सिर पर चोट पहुंचाने के बाद उसे पुलिस द्वारा पकड़े जाने का डर था। इसी कारण उसने अपनी मां

के साथ मिलकर अपने अपहरण की झूठी कहानी रची और विपक्षी परिवार को फंसाने की योजना बनाई। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पन्ना देवी के आवेदन पर प्रारंभिकी दर्ज कर दिलखुश कुमार और उसकी मां संजु देवी को गिरफ्तार कर न्यायालय में भेज दिया गया है। मामले में पुलिस

आगे की कार्रवाई कर रही है।

समस्तीपुर : कब्रिस्तान में मिला जिंदा बम, इलाके में फैली सनसनी

बीएनएम@ समस्तीपुर

समस्तीपुर जिले के खानपुर थाना क्षेत्र के दिनमानपुर उत्तरी पंचायत के वार्ड संख्या 10 स्थित सिरौर गांव के कब्रिस्तान में बुधवार की सुबह जिंदा बम मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह-सुबह कब्रिस्तान में साफ-सफाई का कार्य चल रहा था, इसी दौरान स्थानीय पुजारी मोहम्मद एनूर अंसारी की नजर जमीन पर पड़े एक संदिग्ध बम पर पड़ी। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत पंचायत के मुखिया पति परवेज आलम को दी, जिन्होंने पुलिस को मामले से अवगत कराया।सूचना मिलते ही खानपुर थाने की अपर थानाध्यक्ष पूनम कुमारी और डायल-112 की टीम पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर दो घटनास्थल की घेराबंदी कर दी और लोगों की आवाजही पर रोक लगा दी ताकि किसी प्रकार



की अनहोनी से बचा जा सके। कब्रिस्तान में जिंदा बम मिलने के बाद से आसपास के ग्रामीणों में दहशत और तरह-तरह की चर्चाओं का माहौल है।यह बम वहां कैसे और किस उद्देश्य से लाया गया था, इसका खुलासा अभी तक नहीं हो सका है। पुलिस और प्रशासन

इस संदिग्ध मामले की गहराई से छानबीन कर रहे हैं और बम की प्रकृति व अन्य तथ्यों का पता लगाने के लिए फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (FSL) की टीम को भी बुलाया गया है। एफएसएल जांच रिपोर्ट आने के बाद ही इस मामले में पूरी सच्चाई स्पष्ट हो सकेगी।

मधुबन बीडीओ के कार्यकाल की योजनाओं की उच्चस्तरीय जांच की मांग

बीएनएम@ मोतिहारी

मधुबन प्रखंड में तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी उमेश सिंह के कार्यकाल के दौरान सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर शिकायत सामने आई है। लोक चेतना दल के राष्ट्रीय महासचिव शक्तिन्द्र कुमार यादव ने मुख्यमंत्री से मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। शिकायत में आवास योजना के लाभुकों के चयन में कथित अनियमितता, पात्र एवं अपात्र लाभुकों के चयन में भेदभाव, अवैध राशि की कथित मांग तथा पद के दुरुपयोग से जुड़े आरोपों की जांच की मांग की गई है। हालांकि, इन आरोपों

की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। शिकायतकर्ता ने पंचायत समिति के माध्यम से कराए गए विभिन्न कार्यों की गुणवत्ता की जांच के साथ स्थल सत्यापन, मापी-पुस्तका, भुगतान संबंधी अभिलेखों और संबंधित दस्तावेजों का मिलान कराने की मांग की है। इसके अलावा लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान सहित अन्य वित्तीय योजनाओं के क्रियान्वयन और अनुश्रवण की भी जांच कराने की मांग की गई है। शिकायत में कथित अवैध वसूली से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि के लिए लाभुकों के बयान दर्ज कराने तथा संबंधित महत्वपूर्ण अभिलेखों को सुरक्षित रखने की अनुरोध किया गया है। शक्तिन्द्र

कुमार यादव ने कहा कि मामला सरकारी योजनाओं, सार्वजनिक धन और पात्र लाभुकों के अधिकारों से जुड़ा है। इसलिए उन्होंने संबंधित कार्यकाल का स्वतंत्र उच्चस्तरीय जांच अथवा विशेष ऑडिट कराने की मांग की है। शिकायतकर्ता के अनुसार, जांच के दौरान आरोपों का अभिलेखीय एवं स्थलीय सत्यापन कराया जाना चाहिए और यदि किसी स्तर पर अनियमितता प्रमाणित होती है तो जिम्मेदारी निर्धारित कर नियमानुसार विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। सरकारी राशि की क्षति प्रमाणित होने की स्थिति में नियमानुसार वसूली की मांग भी की गई है।

स्वच्छता और पेयजल सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रशिक्षण आयोजित



बीएनएम@ समस्तीपुर

जिला प्रशासन की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल, स्वच्छता एवं स्वच्छता व्यवहार से जुड़ी सेवाओं को और अधिक प्रभावी व सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से बुधवार को एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला विकास अधिकरण (डीआरडी) सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सूर्य प्रताप सिंह ने की। इस कार्यक्रम में यूनिसेफ के प्रतिनिधि निखिल कुमार, डीआरडीए के निदेशक (लेखा) आशुतोष आनंद और जिला

समन्वयक मो. हसनैन अनवर सहित विभिन्न विभागों के कई पदाधिकारी व कर्मी विशेष रूप से मौजूद रहे।प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जिले के पांच प्रमुख प्रखंडों से चयनित ग्राम पंचायतों के मुखिया, पंचायत सचिव, प्रखंड समन्वयक और स्वच्छता पर्यवेक्षकों को विशेष रूप से 'एसएलबी सर्वे ऐप' के संचालन तथा उसके व्यावहारिक उपयोग का तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया। इस डिजिटल सर्वे का मुख्य उद्देश्य पंचायत स्तर पर पेयजल और स्वच्छता सेवाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन कर पूरी पारदर्शिता के साथ सटीक आंकड़े जुटाना है।

खेल मैदान व मंदिर परिसर की जमीन पर अतिक्रमण का आरोप

» ग्रामीणों ने डीएम को सौंपा झापन

प्रातः आवाज

बगहा: पश्चिम चंपारण जिले के नरकटियागंज प्रखंड अंतर्गत डुमरिया पंचायत के रामपुर गांव में सरकारी और मंदिर की जमीन पर अवैध कब्जे का बड़ा मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि खेल मैदान, मेला ग्राउंड और प्राचीन शिव मंदिर से जुड़ी लगभग एक एकड़ सरकारी भूमि (खता संख्या 02, खंखरा 107) पर कुछ लोगों द्वारा लगातार अतिक्रमण किया जा रहा है। इस जमीन पर पहले मठ, झोपड़ी और दुकानें बनाई गईं और अब यहाँ पक्के निजी मकानों का निर्माण भी कराया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।ग्रामीणों ने इस संबंध में जिला पदाधिकारी को सामूहिक रूप से हस्ताक्षरित आवेदन सौंपकर जांच और कार्रवाई



की मांग की है। इसके साथ ही, बिहार सरकार के सहयोग पोटल पर ऑनलाइन शिकायत (पंजीकरण संख्या REF8756519) भी दर्ज कराई गई है, जिसे त्वरित कार्रवाई के लिए अपर जिला दंडाधिकारी को अग्रसारित किया गया है। शिकायत में वीरेंद्र शर्मा और ओमप्रकाश शर्मा संकेत अन्य पर अतिक्रमण का आरोप लगाया गया है।मौजूदा परिसर में सरकार द्वारा पंचायत सरकार भवन का निर्माण भी कराया जा रहा है, लेकिन बढ़ते अतिक्रमण के कारण खेल मैदान और पारंपरिक

मेला ग्राउंड का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। संजीत कुमार मिश्रा, मिट्ट महतो, संजीव कुमार, रेवती रमन मिश्र और सुमित विद्वोही सहित दर्जनों ग्रामीणों ने आवेदन की प्रतिलिपि नरकटियागंज अनुमंडल पदाधिकारी, अंचलाधिकारी और शिकारपुर थानाध्यक्ष को भी सौंपी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल निर्माण कार्य पर रोक लगाने, निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कराने तथा सार्वजनिक भूमि को पूरी तरह अतिक्रमणमुक्त कर सुरक्षित कराने की पुर्जोर अपील की है।

बीजेपी ने की नए प्रभारियों और सह-प्रभारियों की घोषणा



बीएनएम@ पटना

भारतीय जनता पार्टी ने आगामी चुनावों और संगठनात्मक मजबूती को ध्यान में रखते हुए विभिन्न राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नए प्रभारियों और सह-प्रभारियों की सूची जारी कर दी है। इस संगठनात्मक फेरबदल में पार्टी ने कई वरिष्ठ और अनुभवी चेहरों को अहम जिम्मेदारियाँ सौंपी हैं, जिससे विभिन्न राज्यों में पार्टी की गतिविधियों को और गति मिलने की उम्मीद है।प्रमुख नियुक्तियों के तहत पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को

हरियाणा और छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में वरिष्ठ नेता विनोद तावड़े को मुख्य प्रभारी नियुक्त किया गया है, जबकि उनके सहयोग के लिए जगदीश पटेल, मेधा कुलकर्णी, प्रदीप वर्मा और अतार ओझा को सह-प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा, पार्टी के वरिष्ठ नेता सुनील बंसल को पश्चिम बंगाल और तेलंगाना जैसे राज्यों का प्रभार सौंपा गया है।बिहार और अन्य राज्यों के समीकृत को साधने के लिए भी कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं।

बॉर्डर न्यूज मिरर

पटना, गुरुवार, 24 सितंबर, 2026

लाचारी का भाव बढ़ा

संयुक्त राष्ट्र की यह पहली ऐसी रिपोर्ट है, जिसमें इतनी अंधकारमय तस्वीर का वर्णन है। जलवायु विशेषज्ञों ने कहा है कि नेपाल में जो हुआ, वह दुनिया के संभावित भविष्य की एक मिसाल भर है। ग्लेशियर गिरने से नेपाल में आई तबाही की दर्दनाक कहानियों के बीच संयुक्त राष्ट्र ने यह भयानक आकलन दुनिया के सामने रखा है कि ग्लोबल वॉर्मिंग से गंभीरतम किस्म की क्षतियों को रोकने का अवसर धरती ने गंवा दिया है। अब चुनौती इस पर विचार करने की है कि बड़ चुके तापमान को कैसे फिर से खतरे की सीमा से नीचे लाया जाए। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने अपनी ताजा रिपोर्ट में बताया है कि 2015 की पेरिस जलवायु संधि में जिस तापमान को लेकर चेतना गया था, वह सीमा जल्द ही पार होने वाली है। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि तब दी गई चेतावनी पर शासकों ने ध्यान नहीं दिया। ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन जारी रहा। नतीजतन, धरती का तापमान खतरनाक सीमा तक पहुंच गया है।

विशेषज्ञों के मुताबिक यह संयुक्त राष्ट्र की पहली ऐसी रिपोर्ट है, जिसमें इतनी अंधकारमय तस्वीर का वर्णन है। जलवायु विशेषज्ञों ने कहा है कि नेपाल में जो हुआ, वह दुनिया के संभावित भविष्य की एक मिसाल भर है। जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया भर में ग्लेशियर पिघल रहे हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इसकी सबसे बड़ी मार उन जन समूहों पर पड़ रही है, ग्लोबल वॉर्मिंग में जिनकी गणय भूमिका है। ग्रीनहाउस गैसों के वैश्विक उत्सर्जन में नेपाल का हिस्सा सिर्फ 0.1 प्रतिशत है। प्रति व्यक्ति ग्रीनहाउस गैसों का सबसे ज्यादा उत्सर्जन अमेरिका और अन्य विकसित देशों में होता है। लेकिन जलवायु परिवर्तन रोकने की अपनी जिम्मेदारी से वे देश अब पूरा मुंह मोड़ चुके हैं। डॉनल्ड ट्रंप के कार्यकाल में पर्यावरण संरक्षण के बजट में भारी कटौती हुई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भू-स्खलन सहित अन्य प्राकृतिक खतरों की निगरानी के लिए नेपाल को अमेरिका से जो मदद मिलती थी, ट्रंप के कार्यकाल में उसे रोक दिया गया। आपदा आने के बाद सवाल उठा है कि क्या अगर वो कार्यक्रम जारी रहता, तो तबाही से पहले एहतियाती इंतजामों का मौका मिल सकता था? बहाहावत, विकसित दुनिया अभी ऐसे सवालों को ठेगे पर रख रही है। ऐसे में जलवायु परिवर्तन जनित प्राकृतिक आपदाओं की आशंका को लेकर लाचारी का भाव बढ़ा है, तो वह लाजिमी ही है।

सत्ता से संघर्ष तक: ममता बनर्जी का राजनीतिक यथार्थ

ललित गर्ग

ममता बनर्जी का राजनीतिक सफर एक छात्र राजनीति की साहसी नायिका से लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने और वर्तमान समय में गोर राजनीतिक व कानूनी संकटों से घिरेने तक की एक बड़ी दास्तान है। जो ‘दीदी’ कभी सड़कों पर वामपंथ के 34 साल के किले को ढहाने के लिए जानी जाती थीं, वे आज अपनी राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में ममता बनर्जी पर मुश्किलों के पहाड़ टूटने के मुख्य कारण इस प्रकार हैं- पहला, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक झटका 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में लगा, जहाँ उनकी पार्टी तुणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हार का सामना करना पड़ा और राज्य में भाजपा की सरकार बनी। खुद ममता बनर्जी को भी अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी। 15 साल तक राज्य पर

राज करने के बाद सत्ता से बाहर होना उनके राजनीतिक पतन की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरा, ममता बनर्जी की राजनीतिक ताकत हमेशा उनकी पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ थी। लेकिन वर्तमान में टीएमसी के भीतर एक बड़ी बगावत छिड़ गई है। कई विधायकों और सांसदों ने अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव और पार्टी में तानाशाही रवैये को लेकर बगावती रुख अख्तियार कर लिया है, जिससे पार्टी दो फाड़ होने की कगार पर पहुंच गई है। तीसरा, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा कानूनी और भावनात्मक झटका तब लगा जब चुनाव आयोग ने पार्टी में आंतरिक विवाद के कारण तुण्मूल कांग्रेस के नाम और उनके प्रसिद्ध चुनाव चिह्न ‘जोड़ा फूल’ को प्रीज (रोक लगा दी) कर दिया। आयोग ने दोनों गुटों को अस्थायी रूप से नए नाम और सिंबल दिए हैं। ममता बनर्जी ने इसे भारतीय लोकतंत्र का ‘काला दिन’ बताया है और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। चौथा, सत्ता

से हटते ही ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है- चुनाव प्रचार के दौरान शक्ति तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान देने के आरोप में उनके खिलाफ कोलकाता और सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्ज की गई हैं। अगस्त 2026 में कोलकाता में छात्र संगठन (टीएमसीपी) की रैली के दौरान कलकत्ता हाई कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने के आरोप पर ममता बनर्जी को रू. 635 करोड़ से अधिक का टेंडर देने में गड़बड़ी जैसे भ्रष्टाचार के नए आरोप लग रहे हैं। पांचवां, ममता बनर्जी ने हमेशा खुद को जनता की लड़ाई लड़ने वाली और महिलाओं के अधिकारों की रक्षक के रूप में पेश किया था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राज्य में हुए महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर उनके विवादित बयानों और भ्रष्टाचार के मामलों (जैसे शिफक

भर्ती घोटाला आदि) ने उनकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया। जनता में पैदा हुए इसी आक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। संघर्ष की नायिका का वर्तमान रुख, इन सब मुश्किलों के बावजूद, 17 साल की उम्र में दूध के बोथर और स्ट्रेनोग्राफर का काम करके अपने परिवार को संभालने वाली ममता बनर्जी ने हार मानने से साफ इनकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे राजनीतिक संन्यास नहीं लेगी और वे इस ‘देरे खेले’ के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लड़ाई जारी रखेंगी। आगामी उपचुनावों के लिए उन्होंने रणनीति बदलते हुए कांग्रेस उम्मीदवारों को समर्थन देने की घोषणा भी की है। भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छात्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निष्की व्यक्तित्व के रूप में रही है। तीन

दशकों से अधिक लंबे वामपंथी शासन को उखाड़ फेंकने वाली दीदी ने पूरे पंद्रह वर्षों तक ममता बंगाल की सत्ता पर एकछत्र राज किया। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा है कि वही जुझारू नेत्री आज अपनी ही राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। हालिया विधानसभा चुनावों में मिली पराजय, दल के भीतर भड़की बगावत, चौतरफा वैधानिक कार्यवाहियों का शिकंजा और दल की मूल पहचान यानी नाम तथा चुनाव चिह्न का छिन जाना, इन सबने मिलकर उनके समझ अस्तित्व रक्षा की अभूतपूर्व चुनौती खड़ी कर दी है। हाल के विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक बड़े मोड़ के रूप में सामने आए। पंद्रह वर्षों के निरंतर शासन के बाद तुण्मूल कांग्रेस को जन-असंतोष और प्रचंड विरोध का सामना करना पड़ा। चुनावी नतीजों में न केवल उनकी पार्टी को करारी हार झेलनी पड़ी, बल्कि ममता बनर्जी को स्वयं अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से पराजय का स्वाद

चखना पड़ा। इस परिणाम ने यह सिद्ध कर दिया कि राज्य में बदलाव की लहर अद्विधिक तीव्र थी। निरंतर शासन से उपजी असंतुष्टि, विभिन्न भर्ती घोटालों के आरोप तथा स्थानीय स्तर पर उपजे जन-रोष ने मिलकर उनकी दलगत जड़ों को कमजोर कर दिया, जिससे राज्य में एक नए राजनीतिक समीकरण का उदय हुआ। किसी भी क्षेत्रीय दल की वास्तविक शक्ति उसका सुदृढ़ संगठन, शालीन भाषा, लोकतांत्रिक मर्यादा और नेतृत्व के प्रति अटूट निष्ठा होती है। तुण्मूल कांग्रेस में लगभग तीन दशकों तक ममता बनर्जी ही सर्वोपान्य चेहरा और अंतिम निर्णयकर्ता रहीं। किंतु चुनावी असफलता के उपरांत पार्टी के भीतर दवा हुआ असंतोष अचानक बाहर आ गया। स्थानांकों और सांसदों के एक बड़े धड़े ने शीघ्र नेतृत्व की कार्यशैली पर प्रश्न खिच खड़े कर दिए। (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ICAR की ‘मृदा आसूचना’: भारत के अवसंरचना विकास की नई दिशा

एम.एल. जाट और एम.जी. पाटिल

भारत अभूतपूर्व और ऐतिहासिक गति से अपने डिजिटल, फिज़िकल (भौतिक) और फिजिटल (फिजिकल+डिजिटल) भविष्य का निर्माण कर रहा है। देश हर वर्ष औसतन 4.5 लाख से अधिक रूट किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क का विस्तार कर रहा है, जबकि साथ ही लगभग 11,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण और 6,500 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण किया जा रहा है और हर वर्ष लगभग 5,000 किलोमीटर रेलवे ट्रैक जोड़े जा रहे हैं। इस व्यापक विस्तार का अर्थ है कि देशभर में डिजिटल कनेक्टिविटी के 22.8 लाख किलोमीटर के आश्चर्यजनक विस्तार वाले बहुवर्षीय राष्ट्रीय विस्तार के साथ-साथ, देश प्रतिदिन लगभग 30 किलोमीटर राजमार्ग और 12 से 15 किलोमीटर नई रेल लाइनों का निर्माण कर रहा है। फिर भी, जैसे-जैसे ये विस्तृत परिवहन गलियारे, अल्ट्रा-मेगा सौर पार्क और विशाल डिजिटल नेटवर्क विस्तार पा रहे हैं, कृषि विज्ञान के नेतृत्व के एक शांत तकनीकी सहयोग भूमि की सतह के नीचे नीचे हो रहा है। बड़े परियोजनाओं के लिए बोली लगाने वालों को अक्सर पहले से मिट्टी की खुदाई की लागत का अनुमान तैयार करना पड़ता है, भले ही पहले से कोई भूवैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध न हो। चूंकि परियोजनाओं की निविदा प्रक्रिया की समय-सीमा बहुत कम होती है, इसलिए त्वरित और विश्वसनीय

मृदा संबंधी आंकड़े इस जोखिम को काफी हद तक कम कर सकते हैं— विशेषकर तब, जब परियोजना भारत के बाहर स्थित हो और स्थानीय भू-भाग संबंधी आंकड़ों तक पहुंच कठिन हो। इसके अलावा, बोली जीतने में हुए व्यापक विस्तार को देखते हुए, परियोजना क्रियाव्यवहन-कर्ताओं को बार-बार आने वाली करोड़ों रुपये की समस्या का सामना करना पड़ता है: नरम मिट्टी में आसानी से खुदाई करते हुए इंजीनियरिंग दल अचानक भूमित चट्टान की कठोर दीवार से टकरा जाता है, या भ्रामक काली कपास मिट्टी पर बनाई गई नई सड़क में दरारें पड़ने लगती हैं और यह उड़खने लगती है। काम रुक जाता है, मशीनरी बेकार खड़ी रहती है और परियोजना की लागत आसमान छूने लगती है। इस महत्वपूर्ण सूचना अंतराल को पाटने के लिए, नागपुर स्थित आईसीएआर-राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो (एनबीएसएएस एवं एलयूपी) के वैज्ञानिकों ने एक क्रांतिकारी प्रतिमान विकसित किया है: मृदा आसूचना-आधारित पूर्वानुमानात्मक इंजीनियरिंग। दशकों से उल्लंघन मृदा विज्ञान संबंधी आंकड़ों को उन्नत मशीन लर्निंग के साथ जोड़कर, आईसीएआर बुनियादी ढांचा योजनाकारों को जमीन में पहली फावड़ी लगने से पहले ही पृथ्वी के बारे में एक्स-रे दृष्टि प्रदान कर रहा है— यह सिद्ध करते हुए कि कृषि अनुसंधान खेतों से कहीं आगे राष्ट्रीय विकास का एक आधारभूत चालक है। भारत में वर्तमान अवसंरचना विस्तार की अत्यधिक तीव्र गति के कारण पारंपरिक नियोजन स्वयं एक बाधा बन गया है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल डिजिटल फुटप्रिंट लगभग 19.35 लाख रूट किलोमीटर से बढ़कर 42.36 लाख रूट किलोमीटर से अधिक हो गया है, जो कई वर्षों में हुए व्यापक विस्तार को दर्शाता है। इसी हालिया पांच-वर्षीय अवधि में, देश ने 57,125 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया है। इसी दौरान, भारतीय रेलवे ने 33,000 से अधिक रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण किया है, जो औसतन लगभग 6,600 किलोमीटर प्रतिवर्ष है और ब्रॉड गेज नेटवर्क के विद्युतीकरण की गति को 99.6% तक पहुंचाता है, जिसकी दर प्रतिदिन 15 से अधिक रूट किलोमीटर के क्षेत्र में, भारत ने अपनी मुख्य सौर योजना के तहत 54 से 56 बड़े पैमाने के सौर पार्कों को मंजूरी दी है, जिसकी स्वीकृत क्षमता लगभग 39.5 गीगावाट है, जिससे 100 से अधिक सार्वजनिक और निजी पार्कों में कुल ग्राउंड-माउंटेड सौर क्षमता 122 गीगावाट से अधिक हो गई है। इन विशाल कार्यों में शामिल कई सौरकरी और निजी एजेंसियां—चाहे वे भूमिगत संचार लाइनों को बिछाने, विद्युत पारेण टावर खड़े करने या विशाल सौर संरचनाओं को आधार प्रदान करने का काम कर रही हों—सटीक भूमिगत आंकड़ों पर अत्यधिक निर्भर रहती हैं। फिर भी, पारंपरिक राष्ट्रीय भू-तकनीकी सर्वेक्षण में काफी समय और लागत लगती है। चूंकि, परियोजनाएं इतनी तेजी से आगे बढ़ रही हैं, ये महत्वपूर्ण मृदा जांच अक्सर छोड़ दी जाती हैं या सीमित कर दी जाती हैं।

इसका परिणाम? अनिश्चित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर), भ्रामक लागत अनुमान और बोलीदाताओं के लिए गंभीर वित्तीय जोखिम। आईसीएआर-एनबीएसएस एवं एलयूपी ने इस सूचना-अंतराल को एक प्रमाणित, समय-प्रतिक्षिप्त प्रौद्योगिकी के माध्यम से दूर किया है, जो पूरे भारत और कई अन्य देशों में काम करती है। उपग्रह रिमोट सेंसिंग और मशीन लर्निंग का उपयोग करके, आईसीएआर थल-शिफ्ट भू-तकनीकी मृदा गुणों, जैसे मृदा की गहराई, अंतिम भवन क्षमता (सिखिल इंजीनियरिंग संरचना को सहारा देने में निर्णायक कारक), स्थूल घनत्व आदि का पूर्वानुमान लगाता है, जिसके लिए भूमि की धीमी, महंगी और विघटनकारी ड्रिलिंग की आवश्यकता नहीं होती। यह पद्धति पूरी तरह स्वाचालित पाइलाइन के अंतर्गत बहु-स्रोत भू-स्थानिक इनपुट पर मशीन-लर्निंग रिग्रेशन मॉडल का उपयोग करती है। उपग्रह चित्रों, डिजिटल एलिवेशन मॉडल, भू-भाग की ढलान संबंधी व्युत्पन्न आंकड़ों, लिथोलॉजी और भूजल स्तर को संसाधित करके, आईसीएआर का मृदा वर्गीकरण इंजन सटीक, स्थल-विशेष पूर्वानुमान तैयार करता है। यह प्रणाली मृदा की गहराई (नरम, कठोर या मिश्रित परतों की गहराई) और अन्य मापदंडों का सटीक पूर्वानुमान लगाती है। इन मापदंडों का उपयोग इंजीनियरिंग एजेंसियों द्वारा प्रारंभिक भू-तकनीकी डिजाइन, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने और बोली-पूर्व लागत अनुमान के लिए सीमांकित करने में

पारंपरिक क्षेत्र सर्वेक्षणों की तुलना में, यह डिजिटल समाधान लागत और समय दोनों में 75% की कमी करता है। तीन सदस्यों की एक छोटी टीम प्रतिदिन लगभग 1,000 किलोमीटर लंबे मार्ग को संसाधित कर सकती है, जिससे यह बड़े पैमाने पर, समग्रबद्ध राष्ट्रीय नियोजन के लिए विशेष रूप से उपयुक्त बन जाता है। भारतभर में 50,000 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में इस पूर्वानुमानात्मक दृष्टिकोण का सत्यापन करने के बाद, क्षेत्र में सत्यापित आंकड़ों के मुकाबले लगभग 80% की पूर्वानुमान सटीकता (ऊर् मान लगातार 0.78 से अधिक) प्राप्त हुई है, यहां तक कि कम आंकड़ों वाले क्षेत्रों में भी। अब इन परिकलन विधियों (एल्गोरिदम) को मानकीकृत कर दिया गया है। इस प्रणाली का भारत के अत्यंत विविध भौगोलिक क्षेत्रों में कठोर क्षेत्र-परीक्षण किया गया है—उत्तराखंड और असम के हिमालयी पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर राजस्थान के थार मरुस्थल तथा दक्कन के पठार और सिंधु-गंगा के मैदानों तक। क्षेत्रीय आंकड़ों के आधार पर मानकीकृत की गई यह प्रौद्योगिकी हर राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़ चुकी है। प्रमुख सार्वजनिक और निजी अवसरकारी कंपनियां भारत और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में 2,00,000 से अधिक रूट-किलोमीटर का मानचित्रण करने के लिए इस प्रणाली को अपना चुकी हैं, जिससे आईसीएआर के अनुसंधान पारितंत्र के लिए संसाधन जुटाने के साथ-साथ बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की बचत भी हो रही है और भारतीय कंपनियों को आगे बढ़ते तथा वैश्विक कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में

सक्षम बनाया जा रहा है। अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड, स्ट्रालइट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड और केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड सहित प्रमुख वैश्विक अवसरकारी कंपनियों ने इस समाधान को अपनाया है। केईसी इंटरनेशनल जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनी, जो 100 से अधिक देशों में पारेषण लाइनों को डिजाइन और इनका निर्माण करती है, के लिए मृदा संबंधी आंकड़े वित्तीय अस्तित्व के लिए एक महत्वपूर्ण निर्धारक हैं। नींव संबंधी गतिविधियों और परियोजना जोखिम पूरी तरह से मृदा के प्रकार पर निर्भर करते हैं। ऐसे उद्योग में जहां 6,000 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व आधार पर मार्जिन में मामूली 0.1% की कमी भी 6 करोड़ रुपये के वार्षिक नुकसान में बदल जाती है, सटीक मृदा आसूचना अत्यंत महत्वपूर्ण है। संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, नाइजर, रूस, केन्या, मॉरक्को, मोल्दोवा, मैक्सिको, मलेशिया, अबू धाबी, नेपाल, बांग्लादेश और ट्यूनीशिया जैसे भौगोलिक रूप से जटिल देशों में पारेषण लाइन परियोजनाओं के लिए बोली लागे समय, मृदा संबंधी आंकड़ों की कमी या वास्तविक स्थिति का निष्प/सही प्रतिनिधित्व न करने वाले आंकड़े लाभप्रदता को प्रभावित कर सकते हैं। आईसीएआर की प्रौद्योगिकी विश्वसनीय तृतीय-पक्ष सत्यापन प्रदान करती है, जो श्राहकों या परियोजन प्रबंधकों द्वारा मृदा की स्थिति के संबंध में किए गए दावों की जांच के लिए एक निष्पक्ष सत्यापनकर्ता के रूप में कार्य करती है, जिससे बोली लगाने में विश्वसय बढ़ता है।



मेघ राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप किसी जरूरी कार्य को पूरा करने के लिए ऑफिस में स्ट्राफ के साथ विचार-विमर्श कर सकते हैं। आज आपके दायित्व जीवन में मशरूत बनी रहेगी। महिलाएं ऑनलाइन माध्यम से अपने बिजनेस को आगे बढ़ायेंगी, जिसमें उनको अच्छा लाभ होगा। इस राशि के लेखकों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, आपके लेखन कार्य की सराहना होगी।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप कारोबार में किसी बड़ी डील को फाइनल कर सकते हैं, जिसमें आपको बड़ा धन लाभ होगा। आज हर तरफ से मामलों पर आपको सकारात्मक रहना होगा। किसी समस्या पर दोस्तों से बाखचीत हो सकती है, जिससे आपको अच्छा समाधान मिल सकता है। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से ज्यादा मजबूत रहेगी और आपको इनकम के नए स्रोत मिल सकते हैं।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी बड़ी कंपनी में इन्वेस्ट करने से पहले किसी एक्सपर्ट की सलाह अवश्य लें, जिससे आपको ज्यादा से ज्यादा लाभ हो सके। आज आप सरकारी कामों में नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देंगे तो आपको काम करने में आसानी होगी। आज आप किसी भी काम में जल्दबाजी करने से बचेंगे तो आपके काम सहजता से पूरे हो जाएंगे।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी भी काम को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करेंगे तो आपको सकारात्मक परिणाम हासिल होंगे। आज आपको जीवनसाथी के साथ किसी समारोह में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। आज आप दोस्त के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे और कुछ काम की बात भी कर सकते हैं।

सिंह राशि : आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप किसी भी बड़े काम को करने से पहले माता-पिता और गुरु का आशीर्वाद अवश्य ले लें। आज आपको संतान के सहयोग से कारोबार को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिससे सब अच्छे से हो जाएगा।

कन्या राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने की संभावना बनती दिख रही है। आज आप किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी समझदार व्यक्ति से सलाह जरूर ले लें। आज आपकी उम्र परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप बहुत अच्छे से पूरा करेंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज कारोबार में अधिक लाभ होने के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। आज आपके किसी रिश्तेदार से रिश्ते बेहतर होंगे, आपसी मशरूता बढ़ेगी। आज दूसरों की जरूरतों और भावनाओं को लेकर आप संवेसिटेड हो सकते हैं। आज इस राशि के छात्र किसी विषय को समझने के लिए एक्स्ट्रा क्ल्यास ले सकते हैं।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपके अधिकतर काम सफल होंगे, आप धैर्य और संयम बनाए रखें। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ों की राय लेना आपके लिए बेहतर साबित होगा। साथ ही आप पिता की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। आज ऑफिस में आपको नई जिम्मेदारी मिलेगी ।

धनु राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे वह समय पर पूरा हो जाएगा। साथ ही आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे। आज आप किसी चीज को सम्झने के लिए अनुभवों व्यक्ति से सलाह ले सकते हैं। आप अपने बिजी दिन में से कुछ समय अपने बच्चों के लिए निकालेंगे और उनके साथ खूब एंजॉय करते हुए नजर आएंगे, इससे आपको रोज़ताजा महसूस होगा।

मकर राशि: आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बड़ों की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जाएगा। साथ ही किसी रिश्तेदार से आपको खुशखबरी मिलेगी। आज जीवनसाथी आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्तों में अपनान बन रहेगा। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है। आज स्वास्थ्य के लिहाज से दिन बेहतर रहेगा।

कुंभ राशि: आज आपका दिन खुशहाल बना रहेगा। आज ऑफिस में आपके काम की तरीक होगी, बांस भी आपसे खुश नजर आएंगे। साथ ही किसी विशेष व्यक्ति से आज आपकी बात हो सकती है। आज आपको आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा, धन के नए स्रोत प्राप्त होंगे। आज आपके सरकारी कार्य किसी उच्चाधिकारी के सहयोग से बन जाएंगे, जिससे आपको खुशी मिलेगी।

मीन राशि: आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपका व्यापारिक लाभ कमाने का बेहतरीन अवसर प्राप्त होगा और आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज आपको अपनी वाणी पर संयम बनाए रखने की जरूरत है तथा किसी बात को लेकर ज्यादा जिद करने से भी बचना चाहिए। आज आप सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे, समाज में आपका सम्मान होगा।

संपादकीय

राज्य योजनाओं में लागू होगा स्टेट सिंगल नोडल एजेंसी (एस-एसएनए) मॉडल

सुनील त्रिपाठी	
	
योजनाओं की राशि का पारदर्शी, सुरक्षित और प्रभावी उपयोग होगा सुनिश्चित	
एक योजना-एक बैंक खाता, आवश्यकता के समय ही सीधे हितग्राही एवं बैंडर को भुगतान	
रियल-टाइम मॉनिटरिंग से वित्तीय अनुशासन और नकदी प्रबंधन होगा मजबूत	
मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित चिन्हित योजनाओं के लिए राज्य एकल नोडल एजेंसी (एस-एसएनए) मॉडल लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। नई व्यवस्था को उद्देश्य राज्य योजनाओं में सरकारी निधि के प्रवाह को अधिकपारदर्शी, सुरक्षित, कुशल और प्रभावीबनाना है। एस-एसएनए मॉडल के तहत विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियों के अनेक बैंक खातों में पहले से राशि रखने के बजाय प्रत्येक चिन्हित योजना के लिए एक केंद्रीकृत मुख्य खाता (मदर अकाउंट) बनाया जाएगा। योजना के लिए राशि वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही जारी होगी। भुगतान के समय एस-एसएनए खाते से संबंधित शून्य शेष सहायक खाते (जेडबीएसए) के माध्यम से सीधे विक्रेता अथवा हितग्राही के खाते में भुगतान किया जाएगा। इससे सरकारी धन लंबे समय तक निष्क्रिय नहीं रहेगा और उपलब्ध निधि का अधिकतम	

उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य योजनाओं के लिए उपलब्ध प्रत्येक रुपये का अधिकतम और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। एस-एसएनए मॉडल से सरकारी धन के प्रवाह में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी तथा योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक समय में निगरानी संभव होगी। इससे वित्तीय अनुशासन मजबूत होने के साथ सुशासन को भी अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं की राशि अनावश्यक रूप से अलग-अलग बैंक खातों में पड़ी रहने के बजाय आवश्यकता के समय सीधे हितग्राही और विक्रेता तक पहुंचेगी। इससे सरकारी संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि एस-एसएनए मॉडल राज्य के वित्तीय प्रबंधन को अधिक आधुनिक, तकनीक आधारित और परिणामोमुख बनाएगा। इसका मूल उद्देश्य यह है कि जिस राशि की सरकार को तत्काल आवश्यकता नहीं है, उसे पहले से बैंक खातों में रखने के बजाय जरूरत पड़ने पर ही उपयोग में लाया जाए। इससे राज्य की नकदी प्रबंधन क्षमता बेहतर होगी और उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार को विकास और जनकल्याणकारी

योजनाओं के लिए संसाधन जुटाने पड़ते हैं, वहीं दूसरी ओर विभिन्न बैंक खातों में सरकारी राशि निष्क्रिय पड़ी रहती है। एस-एसएनए मॉडल इस अंतर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे अनावश्यक ऋण लेने की जरूरत और उस पर लगने वाले ब्याज के भार को कम करने में मदद मिलेगी तथा वित्तीय अनुशासन मजबूत होगा। केंद्र प्रायोजित योजनाओं में भारत सरकार द्वारा लागू एकल नोडल एजेंसी व्यवस्था के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित चिन्हित योजनाओं में भी एस-एसएनए मॉडल लागू किया जाएगा। इसके तहत योजनाओं के निधि प्रवाह की शुरुआत राज्य कोषागार/ई-कोष से एस-एसएनए खाते तक होगी। इसके बाद क्रियान्वयन एजेंसियों को सीधे राशि हस्तांतरित करने के बजाय उनके लिए निर्धारित व्यय एवं आहरण सीमा उपलब्ध कराई जाएगी। वास्तविक भुगतान के समय ही संबंधित हितग्राही या विक्रेता को राशि जारी की जाएगी। एस-एसएनए मॉडल की प्रमुख विशेषता आवश्यकता के समय निधि जारी करना है। इसके तहत योजना की राशि पहले से अलग-अलग खातों में जमा रखने के बजाय वास्तविक आवश्यकता के समय ही भुगतान किया जाएगा। इससे बैंक खातों में अनावश्यक रूप से पड़ी राशि कम होगी और योजनाओं की निधि का लगभग शून्य निष्क्रिय शेष सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस व्यवस्था में मुख्य खाता और सहायक खाते की प्रणाली के साथ प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तथा

गैर-प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, दोनों प्रकार के भुगतान शामिल किए जा सकेंगे। जिला, विकासखंड, पंचायत और ग्राम स्तर की चिन्हित क्रियान्वयन एजेंसियों को भी इसके दायरे में लाया जा सकेगा।

वास्तविक समय की निगरानी से बढ़ेगी पारदर्शिता: एस-एसएनए मॉडल से योजनाओं में निधि प्रवाह और व्यय की वास्तविक समय में निगरानी संभव होगी। विभागों को उपलब्ध निधि, जारी व्यय सीमा, वास्तविक व्यय और अप्रयुक्त राशि की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। डिजिटल प्रणाली में निर्माता-जन्मकाल आधारित लेखा-परीक्षण अभिलेख होने से वित्तीय लेन-देन की निगरानी मजबूत होगी। इससे सरकारी राशि के दुरुपयोग, अनधिकृत भुगतान और बैंकिंग धोखाधड़ी की संभावनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में मदद मिलेगी।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि डिजिटल लेखा-परीक्षण अभिलेख और वास्तविक समय की निगरानी से प्रत्येक स्तर पर निधि के उपयोग की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध होगी। इससे वित्तीय अनियमितताओं की संभावना कम होगी और विभागों को अपने संसाधनों तथा व्यय की बेहतर योजना बनाने में मदद मिलेगी। वर्तमान व्यवस्था में आवश्यकता से पहले राशि आहरित होने के कारण विभिन्न विभागीय खातों में बड़ी मात्रा में सरकारी धन निष्क्रिय पड़ा रहता है। प्रस्तावित व्यवस्था से इस समस्या को कम किया जा सकेगा। विभागीय निष्क्रिय खातों में लगभग 530

करोड़ रुपये तथा भारतीय रिजर्व बैंक के डीईएफ खातों में लगभग 100 करोड़ रुपये की निष्क्रिय राशि जैसी समस्याओं पर भी प्रभावी नियंत्रण की उम्मीद है। सरकार की ओर से बताया गया कि एक ओर योजनाओं के लिए ऋण लेकर ब्याज का भुगतान करना पड़ता है, जबकि दूसरी ओर विभिन्न बैंक खातों में सरकारी राशि निष्क्रिय पड़ी रहती है। एस-एसएनए मॉडल के माध्यम से उपलब्ध निधियों के बेहतर प्रबंधन से अनावश्यक ऋण की आवश्यकता कम होगी। इससे ब्याज भार और राजस्व घाटे को नियंत्रित करने में सहायता मिल सकती है।

एस-एसएनए व्यवस्था के तहत योजनाओं की राशि के प्रबंधन से अर्जित ब्याज राज्य की संचित निधि में जमा किया जाएगा। इससे सार्वजनिक वित्तीय संसाधनों का अधिक कुशल उपयोग सुनिश्चित करने और राज्य की नकदी प्रबंधन क्षमता को मजबूत करने में मदद मिलेगी। नई व्यवस्था से आहरण एवं सवितरण अधिकारियों तथा अन्य क्रियान्वयन एजेंसियों के खातों में लंबे समय तक निष्क्रिय पड़ी राशि की समस्या दूर करने में मदद मिलेगी। साथ ही मैनुअल मिलान, विलंबित उपयोगिता प्रमाण-पत्र और ऑफलाइन सत्यापन से जुड़ी समस्याओं में भी कमी आएगी। डिजिटल निधि प्रवाह और लेखा-परीक्षण अभिलेख के कारण वित्तीय रिपोर्टिंग अधिक पारदर्शी और समयबद्ध हो सकेगी। छह चरणों में होगा क्रियान्वयन: एस-एसएनए

मॉडल को लागू करने के लिए छह प्रमुख चरण निर्धारित किए गए हैं। इनमें योजना की पहचान, वित्त विभाग से अनुमोदन, योजना कोड आवंटन, ई-कोष से संबंधिता, एस-एसएनए एवं जेडबीएसए खाते खोलना तथा कोषागार से एस-एसएनए और क्रियान्वयन एजेंसी के माध्यम से हितग्राही या विक्रेता को भुगतान शामिल है। यह व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित चिन्हित योजनाओं तथा विभागों की अन्य चिन्हित योजनाओं पर लागू होगी। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और गैर-प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, दोनों प्रकार की योजनाओं के साथ जिला, विकासखंड, पंचायत एवं ग्राम स्तर की क्रियान्वयन एजेंसियों को इसके दायरे में लाया जा सकेगा। हालाँकि, पीएफएमएस-एसएनए/स्पर्श के अंतर्गत आने वाली केंद्र प्रायोजित योजनाएं, केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं तथा ऐसी योजनाएं जिनमें आहरण एवं सवितरण अधिकारी सीधे ई-कोष के माध्यम से भुगतान करते हैं, इस व्यवस्था से बाहर रहेंगी।

मंत्रिपरिषद ने एस-एसएनए मॉडल के क्रियान्वयन पर सहमति प्रदान करते हुए इससे संबंधित आवश्यक कार्रवाई के लिए वित्त विभाग को अधिकृत किया है। सरकार के अनुसार, नई व्यवस्था से राज्य में निधि के प्रवाह को अधिक पारदर्शी, कुशल और अनुशासित बनाने के साथ बेहतर वित्तीय प्रबंधन तथा सुशासन को मजबूती मिलेगी। लेखक सहायक संचालक जनसंपर्क हैं।

आईपीएल का सबसे बड़ा अधिग्रहण करने जा रहे लक्ष्मी मित्तल और अदार पूनावाला

■ राजस्थान रॉयल्स, खरीदने 15,838 करोड़ की मेगा डील तकनीबन पक्की हुई

एजेंसी, मुम्बई

स्टील किंग लक्ष्मी एन मित्तल और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के सीईओ अदार पूनावाला ने मिलकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को खरीदने की मेगा डील लगभग पूरी कर ली है। इस बड़े अधिग्रहण को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने भी आधिकारिक मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह ऐतिहासिक सौदा लगभग 1.65 अरब डॉलर (करीब 15,838.63 करोड़) में तय हुआ है, जो आईपीएल फ्रेंचाइजी के इतिहास में सबसे बड़े सौदों में से एक है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने इस अधिग्रहण को 17 सितंबर को ही अपनी मंजूरी



दे दी थी। ऐसे में अब इस डील के पूरा होने की कानूनी प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। मित्तल और पूनावाला के इस अधिग्रहण पैकेज में केवल राजस्थान रॉयल्स ही नहीं, बल्कि फ्रेंचाइजी के मालिकाना अधिकार वाली दो विदेशी क्रिकेट टीमों में दक्षिण अफ्रीका की टी-20 लीग 20 में भाग लेने वाली पार्ल रॉयल्स और वेस्टइंडीज कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में खेलने वाली बार्बाडोस रॉयल्स भी अब मित्तल और पूनावाला

के मालिकाना अधिकार में आ जाएंगी। यह विस्तार दर्शाता है कि यह अधिग्रहण सिर्फ आईपीएल तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक क्रिकेट लीगों में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह महत्वाकांक्षी सौदा ब्रिटेन में पंजीकृत निवेश कंपनी वेस्टव्यू क्रिकेट लिमिटेड के माध्यम से पूरा किया जा रहा है, जिसका स्वामित्व मित्तल परिवार के पास है। इस सौदे में पूनावाला स्पोर्ट्स एंड फिटनेस प्राइवेट लिमिटेड भी एक प्रमुख हिस्सेदार है। इस डील के तहत, मित्तल परिवार

वेस्टव्यू क्रिकेट के माध्यम से फ्रेंचाइजी समूह की लगभग 75 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करेगा, जबकि अदार पूनावाला की हिस्सेदारी करीब 18फीसदी होगी। मौजूदा निवेशकों में शामिल मनोज बदाले के पास अपनी लगभग 7फीसदी हिस्सेदारी बरकरार रहने की उम्मीद है। इस सौदे की घोषणा इस साल की शुरुआत में ही लगभग 1.65 अरब डॉलर के एंटरप्राइज वैल्यू पर की गई थी, जो इसकी विशालता और क्रिकेट जगत में इसके महत्व को रेखांकित करता है। यह उल्लेखनीय है कि इस समझौते से पहले, अमेरिकी निवेशकों के नेतृत्व वाले एक समूह ने भी राजस्थान रॉयल्स को खरीदने का असफल प्रयास किया था, तब फ्रेंचाइजी समूह का मूल्यांकन लगभग 1.63 अरब डॉलर आंका गया था। मित्तल और पूनावाला जैसे दिग्गज उद्योगपतियों का राजस्थान रॉयल्स के साथ जुड़ना फ्रेंचाइजी के लिए एक नया अध्याय खोलेगा और टीम को वित्तीय तथा रणनीतिक रूप से और भी मजबूत करेगा।

एशियाई खेल: सतनाम-सलमान और बलराज पंवार रोइंग के फाइनल में पहुंचे

एजेंसी, आइडो-नगोया । भारतीय रोइंग खिलाड़ियों सतनाम सिंह, सलमान खान और बलराज पंवार ने बुधवार को एशियाई खेलों में अपने-अपने मुकामलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली। सतनाम सिंह और सलमान खान ने पुरुष डबल स्कल्स स्पर्धा के फाइनल ए में प्रवेश किया। दोनों ने अपनी हीट में 6 मिनट 52.84 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। दोनों हीट के संयुक्त परिणाम में वे चौथे स्थान पर रहे। डबल स्कल्स का फाइनल गुरुवार को होगा। पुरुष सिंगल स्कल्स स्पर्धा में बलराज पंवार ने भी फाइनल ए में जगह बनाई। उन्होंने अपनी हीट में 6 मिनट 52.84 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। दोनों हीट के संयुक्त परिणाम में बलराज चौथे स्थान पर रहे और अब उनके पास पदक जीतने का मौका होगा। भारतीय रोइंग टीम इन क्वालीफािंग प्रदर्शनों के बाद फाइनल में भी मजबूत प्रदर्शन की साक्ष्य पदक हासिल करने की कोशिश करेगी। इसके अलावा भारतीय पुरुष कयाक चार 500 मीटर टीम ने भी फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। हर्षवर्धन शक्तावत, वरिंदर सिंह, एल नाओचा सिंह ओडनाम और अरुण सिंह की टीम ने अपनी हीट में 1 मिनट 29.447 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया।

बिजनेस

प्रीमियम लिस्टिंग के बाद एसएस रिटेल पर लगा अपर सर्किट, बंपर मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

मोबाइल फोन, एक्सेसरीज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की बिक्री करने वाली प्रमुख मल्टी ब्रांड रिटेल चेन एसएस रिटेल लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार मजबूती के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को बंपर मुनाफा करा दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 42.4 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 50.73 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 639.10 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 47.17 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 624 रुपये के स्तर पर हुई। प्रीमियम लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर की चाल में गिरावट आ गई। बिकवाली के दबाव में ये शेयर लुढ़क कर 603 रुपये के स्तर तक चला गया। हालांकि बाद में खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस शेयर की चाल में तेजी आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर 766.90 रुपये के अपर सर्किल



लेवल पर पहुंच कर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 342.90 रुपये यानी 80.87 प्रतिशत का फायदा हो गया। इस कंपनी का 500 करोड़ रुपये का आईपीओ 16 से 18 सितंबर के बीच सव्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिसर्प्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 107.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 214.22 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी

तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 150.33 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 35.81 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,18,10,182 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 360 करोड़ रुपये के 85,08,298 नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि लगभग 140 करोड़ रुपये के 33,01,884 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने नए स्टोर्स

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला एलिगेट कैपेसेस का आईपीओ, 25 सितंबर तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली । एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स के लिए इंफ्रास्ट्रक्चरल मैनेजमेंट करने वाली कंपनी एलिगेट कैपेसेस लिमिटेड का 2,100 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 25 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 28 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 सितंबर को अलॉटिड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद दोपहर 1:30 बजे तक यह आईपीओ 11 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 343 रुपये से लेकर 362 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 41 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इन्वेस्टर्स कम-से-कम एक लॉट यानी 41 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,842 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर 1,92,946 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 533 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं।

आर्मी इन्फोटेक का आईपीओ लॉन्च, 30 सितंबर को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली । एंड टू एंड आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी मैनेज्ड सर्विसेज और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में काम करने वाली कंपनी आर्मी इन्फोटेक लिमिटेड का 300 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 25 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 28 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 सितंबर को अलॉटिड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद दोपहर 1:30 बजे तक यह आईपीओ 40 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 350 रुपये से लेकर 375 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 40 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इन्वेस्टर्स कम-से-कम एक लॉट यानी 40 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 15,000 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर 1,95,000 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 520 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत दस रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 80 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 25 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए 52.50 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है।

इरफान पठान बोले, वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में यशस्वी को सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतारें

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम की संभावित अंतिम ग्यारह को लेकर अपने सुझाव दिये हैं। पठान का कहना है कि 27 सितंबर से शुरू होने वाली इस सीरीज में युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरा जाना चाहिये। जिससे कि वह 2027 एकदिवसीय विश्व कप से पहले लय हासिल कर सके। पठान के अनुसार, यशस्वी को रोहित के साथ पारी की शुरुआम करते हुए



देखा जा सकता है, जबकि विराट कोहली नंबर-3 पर उतरेंगे। इरफान पठान ने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ यह सीरीज यशस्वी जैसे खिलाड़ियों के लिए अहम है। उन्होंने कहा, जायसवाल आपके बैकअप ओपनर हैं, फिलहाल वह आपके तीसरे सलामी बल्लेबाज

हैं। दक्षिण अफ्रीका जैसे महत्वपूर्ण दौरों से पहले यह पक्का करना होगा कि आपके बैकअप ओपनर को पर्याप्त अवसर मिलें। जायसवाल ने अब तक खेले छह एकदिवसीय मैचों में दो शतक लगाकर अपनी उपयोगिता साबित की है और शुभमन गिल व रोहित शर्मा के बाद वह एक भरोसेमंद

विकल्प के रूप में उभरे हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ इस एकदिवसीय सीरीज में भारतीय टीम में कुछ नए चेहरे भी देखने को मिलेंगे, क्योंकि मुख्य टीम एशियाई खेलों के लिए जापान गयी है। इसी को देखते हुए पठान ने कहा कि ये उन खिलाड़ियों के लिए अपने को साबित करने का अच्छा अवसर है जिन्हें थ्रेश अय्यर, अक्षर पटेल और वांशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों के टीम में नहीं होने के कारण अवसर मिला है। साथ ही कहा कि यह एक तरह की दूसरी टीम है जिसमें कई खिलाड़ियों को आजमाया जा रहा है। इससे ध्रुव जुलैल और गुरनूर बरार जैसे खिलाड़ियों के पास अच्छा अवसर है।

इंग्लैंड को नंबर 1 टेस्ट टीम के साथ ही डबल्यूटीसी चैंपियन बनाना चाहते हैं फ्लेमिंग

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा है कि उनका लक्ष्य टीम को नंबर एक टेस्ट टीम बनाने के साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियन (डबल्यूटीसी) में जीत दिलाना है। वह साल 2030 तक इंग्लैंड के कोच रहेंगे। कोच के तौर पर फ्लेमिंग का अभियान समाप्त होने को है, ऐसे में फ्लेमिंग ने अपना सारा ध्यान अब टेस्ट क्रिकेट पर केंद्रित कर दिया है। उन्होंने जोर दिया कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप उनके लक्ष्यों में सबसे ऊपर है, क्योंकि यह विश्व क्रिकेट



इसके लिए टीम को दीर्घकालिक और सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने होंगे। श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों का अभियान समाप्त होने को है, ऐसे में फ्लेमिंग ने अपना सारा ध्यान अब टेस्ट क्रिकेट पर केंद्रित कर दिया है। उन्होंने जोर दिया कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप उनके लक्ष्यों में सबसे ऊपर है, क्योंकि यह विश्व क्रिकेट

की सबसे बड़ी ट्रॉफियों में से एक है और इंग्लैंड को इसे जीतने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि इन लक्ष्यों को हासिल करना एक कठिन चुनौती होगी। इसके लिए खिलाड़ियों के कार्यभार प्रबंधन, टीम के संतुलन और खेल के तरीके पर निरंतर काम करने की आवश्यकता होगी। फ्लेमिंग ने खास तौर पर ओवर पूरे करने की गति को टीम की पहचान और उसके खेलने के अंदाज से जोड़ते हुए कहा कि केवल बड़े लक्ष्य तय करने से सफलता नहीं मिलेगी, बल्कि उनके लिए सही तैयारी और लंबे समय तक एक जैसी मेहनत जरूरी है।

स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री के बाद हीरो मोटर्स के शेयर में आई तेजी

लिवाली के सपोर्ट से लगा अपर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

हीरो ग्रुप की हीरो मोटर्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। हालांकि बाद में खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर बाद ही शानदार रिकवरी करने में सफल रहे। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 84 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 2.26 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 82.10 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 2.38 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 82 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बनने पर यह शेयर लुढ़क कर 80.50 रुपये के स्तर तक गिर गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस शेयर की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 98.51 रुपये के अपर सर्किट

लेवल पर पहुंच गया और उसी स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 14.51 रुपये यानी 17.27 प्रतिशत का फायदा हो गया। इस कंपनी का 1,000 करोड़ रुपये का आईपीओ 16 से 18 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से क्वेंज रिसर्प्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 7.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 7.32 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 10.47 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 8.62 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 11,90,47,618 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 600 करोड़ रुपये के 7,14,28,571 नए शेयर जारी हुए हैं, जबकि लगभग 400 करोड़

रुपये के 4,76,19,047 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी इक्विपमेंट्स की खरीदारी करने, अधिग्रहण करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। हीरो मोटर्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए रैड हेरिंग दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 17.04 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 32.80 करोड़ रुपये और 2025-26 में उछल कर 41.17 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में 1,083.42 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 1,111.23 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

देशत्यापी हड़ताल से पहले रविवार होने के बावजूद 27 सितंबर को खुले रहेंगे बैंक, आरबीआई ने दी मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित देशव्यापी हड़ताल को देखते हुए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया आरबीआई ने बड़ा फैसला लिया है। रिजर्व बैंक ने कहा है कि रविवार, 27 सितंबर, 2026 को बैंक खुले रहेंगे, ताकि ग्राहकों को परेशानी न हो। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि यूनाइटेड फोरेम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने 28 से 30 सितंबर, 2026 तक तीन दिनों की राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल बुलाई है। ये हड़ताल 26 और 27 सितंबर को सप्ताहांत की छुट्टियों के ठीक बाद हो रही है। इसलिए सरकार ने नागरिकों की बैंकिंग जरूरतों को



ध्यान में रखते हुए पहले से ही यह आवश्यक कदम उठाए हैं। मंत्रालय ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि आम लोगों की बैंकिंग

से जुड़ी जरूरी जरूरतें लंबे समय तक प्रभावित न हों, सभी पब्लिक सेक्टर बैंक और रीजनल रूरल बैंक रविवार, 27 सितंबर 2026 को को सामान्य रूप से काम करेंगे। वित्त मंत्रालय ने बताया कि रिजर्व बैंक ने सभी बैंक शाखाओं, कार्यालयों, एटीएम लिंक शाखाओं और करंसी चेस्ट को 27 सितंबर 2026 को पूरी तरह से चालू रखने की मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि बैंक ग्राहकों की भलाई और सुविधा सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। सरकार और बैंक प्रबंधन ने यूनियनों से प्रस्तावित हड़ताल को टालने की अपील की है और यह पक्का करने के लिए भी कदम उठाए हैं कि जरूरी बैंकिंग सेवाएं बिना किसी रुकावट के चलती रहें।

भारत ने कराधान से जुड़े दो नए ब्रिक्स कार्य समूह गठित करने की पैरवी की

एजेंसी, नई दिल्ली

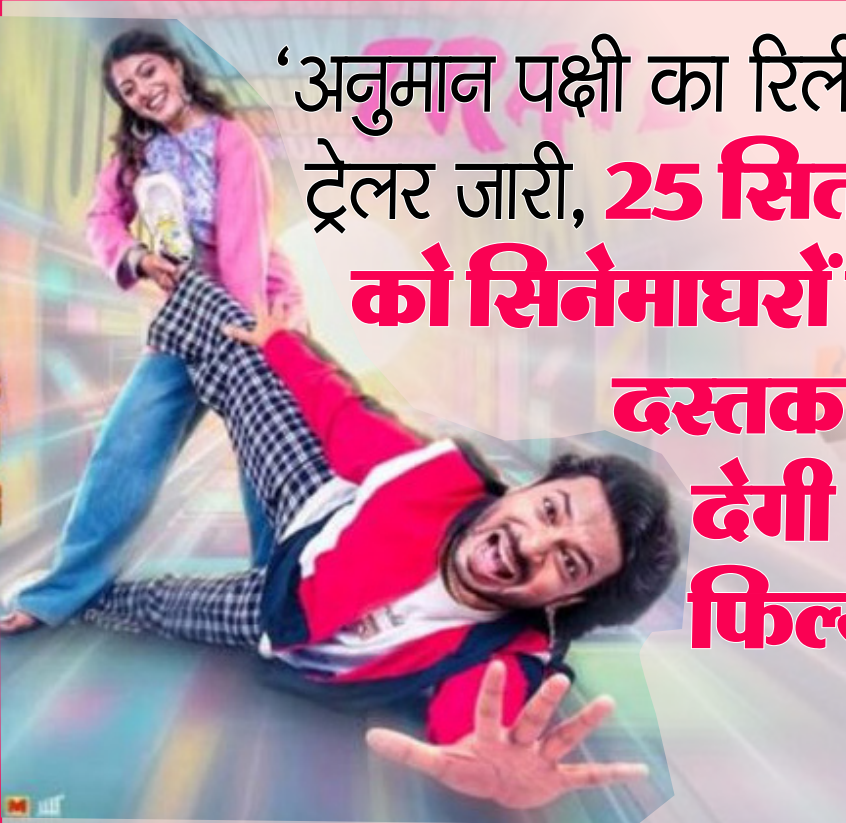
केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि कंपनियों और उनकी अनुबंधी इकाइयों के बीच लेन-देन (ट्रांसफर प्राइसिंग) से जुड़े विवाद विकासशील देशों पर असमान रूप से अधिक बोझ डालते हैं। सीतारमण ने नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स देशों के टैक्स अथॉरिटीज प्रमुखों की बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि भारत ने कराधान से जुड़े दो नए ब्रिक्स कार्य समूह गठित करने की पैरवी की है। बैठक में दो नए कार्य समूहों के कार्यक्षेत्र संबंधी दस्तावेजों पर विचार किया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि ये कार्य समूह



अंतरराष्ट्रीय कराधान एवं हस्तांतरण मूल्य निर्धारण तथा राजस्व सांख्यिकी से संबंधित होंगे। उन्होंने कहा कि ये कार्य समूह समय के साथ प्रगति के लिए स्थायी संस्थागत व्यवस्था तैयार करेंगे, चाहे ब्रिक्स की अध्यक्षता किसी के पास भी हो। निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह व्यवस्था भारत की अध्यक्षता के बाद

भी बनी रहेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कराधान के नियमों पर कई बहुपक्षीय कर बातोंओं के जरिये फिर से बातचीत हो रही है। इनमें अंतरराष्ट्रीय कर सहयोग पर संयुक्त राष्ट्र रूपरेखा अभिसमय भी शामिल है, जिस पर सक्रिय रूप से बातचीत चल रही है। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि वर्तमान वैश्विक राजस्व ढांचे विकासशील देशों की राजकोपीय वास्तविकताओं से मेल नहीं खाते हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देशों की छवि और उनकी कर व्यवस्था प्रभावित होती है। उन्होंने बताया कि ट्रांसफर प्राइसिंग के विवादों को सुलझाने में विकासशील देशों के प्रशासनों की लगत और संसाधन बहुत अधिक खर्च होते हैं।

‘अनुमान पक्षी का रिलीज ट्रेलर जारी, 25 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म



राग मयूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘अनुमान पक्षी का रिलीज ट्रेलर जारी कर दिया गया है। ‘डीजे टिल्लू फेम निर्देशक विमल कृष्णा के निर्देशन में बनी इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म को रिलीज तारीख में बदलाव किया गया है। पहले यह फिल्म 18 सितंबर को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने वाली थी, लेकिन अब इसे 25 सितंबर 2026 को रिलीज किया जाएगा। फिल्म निर्माताओं ने रिलीज ट्रेलर जारी करते हुए दर्शकों की उत्सुकता को भी कहानी का हिस्सा बनाया है। ट्रेलर में फिल्म के कलाकार और अन्य लोग राग मयूर से लगातार पूछते नजर आते हैं कि आखिर

फिल्म कब रिलीज होगी। इसके बाद राग मयूर खुद फिल्म की रिलीज तारीख की पुष्टि करते हुए बताते हैं कि ‘अनुमान पक्षी 25 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। फिल्म का इससे पहले जारी किया गया टीजर और अब रिलीज हुआ ट्रेलर मनोरंजन के कई रंगों से भरपूर नजर आ रहा है। ट्रेलर में हास्य, रोमांच और मनोरंजन से जुड़े कई दृश्य देखने को मिलते हैं, जिसने फिल्म को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ाई है। फिल्म में मेरिन फलिप मुख्य महिला भूमिका में हैं। उनके साथ प्रिंस सेंसिल, अनन्या, चरित, ब्रह्माजी, रासी, अजय और मस्त अली महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। राग मयूर फिल्म के प्रमुख

कलाकार हैं और कहानी में उनकी भूमिका को केंद्र में रखा गया है। ‘अनुमान पक्षी का निर्माण राजीव चिलका, राजेश जगटियानी और हरिचंद दंड ने किया है। फिल्म को चिलका प्रोडक्शंस ने प्रस्तुत किया है। फिल्म का संगीत श्रीचरण पकाला ने तैयार किया है, जबकि छायांकन की जिम्मेदारी सुनील कुमार नामा ने संभाली है। निर्देशक विमल कृष्णा इससे पहले ‘डीजे टिल्लू से जुड़े रहे हैं। अब ‘अनुमान पक्षी के जरिए वह एक अलग कहानी और मनोरंजन से भरपूर प्रस्तुति दर्शकों के सामने लेकर आ रहे हैं। फिल्म 25 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।



डीप नेक चोली और रेड लहंगा, बॉल्ड ट्रेडिशनल लुक से दिशा पाटनी ने इंटरनेट पर मचाया तहलका

वॉ बॉलीवुड की सबसे फिट और स्टनिंग अभिनेत्रियों में शुमार दिशा पाटनी एक बार फिर अपने नए और दिलकश अंदाज से सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली दिशा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर पारंपरिक रेड लहंगे में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस की धड़कनें तेज हो गई हैं। वेस्टर्न आउटफिट्स में तहलका मचाने के बाद, दिशा का यह देसी लेकिन बेहद ग्लैमरस अवतार इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। दिशा ने रॉयल रेड कलर का भारी कढ़ाई वाला लहंगा का सेट पहना है। इस पारंपरिक एथनिक आउटफिट पर बारीक सुनहरे और रेशमी धागों की डिटेिलिंग, फ्लोरल मोटिफ्स और बॉर्डर पर खूबसूरत गोटा-पट्टी या एम्बेलिशमेंट वर्क नजर आ रहा है। आउटफिट का सबसे मुख्य आकर्षण उनकी डीप-कट नेकलाइन वाली स्लीवलेस क्रॉप चोली है। यह चोली उनके स्लीक बॉडी कर्व्स और टॉड फिगर को बेहद खूबसूरती से फ्लॉन्ट कर रही है। इसके साथ दिशा ने मैचिंग रेड नेट का दुपट्टा कैरी किया है, जिस पर लाइट सीक्वेंस और कट-वर्क बॉर्डर बना हुआ है। इस क्लासिक

और बॉल्ड लहंगे का चुनाव उन्हें एक आधुनिक राजकुमारी जैसा लुक दे रहा है। तस्वीरों में दिशा पाटनी का आत्मविश्वास और उनका कालिलाना पोज देने का अंदाज साफ झलक रहा है। अलग-अलग एंगल्स में कराए गए इस फोटोशूट में दिशा ने कभी कैमरे की ओर देखते हुए नशीली निगाहों से पोज दिया है, तो कभी नीचे झुककर अपने हेयरस्ट्रेट्स को संभालते हुए एक सिड्युक्टिव लुक दिया है। अपने इस पारंपरिक लुक को दिशा ने बहुत ही बैलेंस्ड मेकअप और हेयरस्टाइल के साथ पूरा किया है। उन्होंने अपने लंबे, घने और डार्क बालों को पूरी तरह से खुला रखा है। बालों में हल्की सी मेसी और नेचुरल वेव्स उनके चेहरे पर गिरती हुई बेहद खूबसूरत लग रही हैं। मेकअप की बात करें तो दिशा ने मैट-फिनिश बेस के साथ स्मोकी आइज, परफेक्टली शेड आईब्रोज और प्लम-न्यूड शेड लिपस्टिक का चुनाव किया है। गालों पर लगा हल्का सा ब्लश उनके चेहरे की प्राकृतिक चमक को बढ़ा रहा है। अपने इस बॉल्ड एथनिक लुक में विंटेज टच देने के लिए दिशा ने हेवी स्टेटमेंट इयररिंग्स चुने हैं। हाथों में बारीक डिजाइन वाले कुंदन और पन्ने जड़े कड़े तथा उंगलियों में बड़ी सी कॉकटेल रिंग उनके हाथों की शोभा बढ़ा रही है। दिशा पाटनी का यह नया फोटोशूट इस बात का सबूत है कि वे न केवल मॉडर्न और बिकिनी लुक्स में परफेक्ट दिखती हैं, बल्कि जब बात एथनिक या इंडियन विवर की आती है, तो भी वे अपने स्टाइल और बॉल्डनेस के अનોखे मेल से हर किसी को अपना दीवाना बना सकती हैं।

खुद को गोली मार ली थी स्वतंत्रता सेनानी प्रतिभा लाहिडी ने: प्रतिभा रांटा

हाल ही में अभिनेत्री प्रतिभा रांटा ने द रेवोल्यूशनरीज में स्वतंत्रता सेनानी प्रतिभा लाहिडी का किरदार निभाने के बारे में चर्चा की। प्रतिभा रांटा ने बताया कि सार्वजनिक तौर पर प्रतिभा लाहिडी के बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है, जैसा कि निर्देशक निखिल आडवाणी ने भी उनसे कहा था। शो के प्रमोशन के दौरान, जिसमें निखिल आडवाणी, भुवन बाम, रोहित सराफ और गुरफतेह पौरजादा भी मौजूद थे। अभिनेत्री ने प्रतिभा लाहिडी के ऐतिहासिक योगदान को याद करते हुए बताया, जब चंद्रशेखर आजाद अंग्रेजों से लड़ रहे थे, तब उनकी बंदूक में एक आखिरी गोली बची थी। उसी समय उन्होंने खुद को गोली मार ली, ताकि अंग्रेज उन्हें पकड़कर मुठभेड़ में न मार सकें। इसके बाद प्रतिभा लाहिडी ने उनके अस्थि-अवशेषों की राख युवा क्रांतिकारियों के माथे पर लगाई थी। अब आप ऐसे व्यक्तिक के बारे में सोचिए,



जो यह समझने में सक्षम हो कि यह एक युवा पीढ़ी है। उन्होंने आगे कहा कि प्रतिभा लाहिडी के लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी था कि देश को आजादी दिलाने के लिए किए जा रहे बलिदान का संदेश युवा पीढ़ी तक पहुंचे और आगे बढ़ाया जाए। अपने किरदार के बारे में गहरी समझ साझा करते हुए प्रतिभा रांटा ने बताया, तो जब वह 17 साल की रही होगी, तब वह कैसी रही होगी? उस समय उन्हें किस सामाजिक मानदंडों से लड़ना पड़ता होगा? वह दुनिया को किस नजरिए से देखती होगी? मेरे लिए प्रतिभा लाहिडी एक जिज्ञासु लड़की थीं।

दिसंबर 2026 में होगी फिल्म वेट्टुवम रिलीज

हा हाल ही में बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्म वेट्टुवम की दुनिया का अनावरण किया गया है। फिल्म निर्देशक पा. रंजीत की इस फिल्म को दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह जगा दिया है। यह फिल्म दिसंबर 2026 में रिलीज होने वाली है। इन लड़ाइयों को पुराने समय के भारत की पारंपरिक युद्ध तकनीकों के आधार पर तैयार किया गया है, जिसके लिए पूरी कास्ट ने अलग-अलग तरह की मार्शल आर्ट्स में महारत हासिल करने के लिए कड़ी ट्रेनिंग ली है। पा. रंजीत अपनी फिल्म वेट्टुवम के ऐलान के साथ पैन-इंडिया फिल्मों की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं, ऐसे में खबर सामने आने के साथ ही लोगों में इसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखने मिल रहा था। मेकर्स ने घोषणा के समय किए वादे के मुताबिक आज फिल्म की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही झलक से पर्दा उठा दिया है। यह कुछ ऐसा है जिसे दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा होगा। फिल्म की कहानी अलग-अलग समय में लेकर जाती है, जिसमें दर्शक कई कलाकारों को अपनी भूमिका निभाते देखेंगे। इसके साथ ही यह बात भी साफ हो गई है कि निर्देशक हर बार की तरह इस बार भी कुछ अलग करते हुए पैन इंडिया लेवल पर हलचल मचाने वाले हैं। मेकर्स ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें वेट्टुवम की दुनिया को देखा जा सकता है। कई भाषाओं में साझा किए गए इस वीडियो में जहां हिंदी में पंकज त्रिपाठी की आवाज है, वहीं तमिल वर्जन में पा. रंजीत, तेलुगु में राणा दग्गुबाती, कन्नड़



में किच्चा सुदीप और मलयालम में सोबित शाहिर की आवाज सुनाई दे रही है। वे सभी वीडियो में फिल्म के अलग-अलग पहलुओं के बारे में बात करते हुए उन पर रोशनी डाल रहे हैं। फिल्म बीते हुए कल के उन नतीजों पर रोशनी डालती है, जिनका असर हमारे आज पर पड़ रहा है और वह हमारे आने वाले कल यानी भविष्य को आकार दे सकते हैं। यह चीजें आखिरकार प्राकृतिक आपदाओं का कारण बन सकती हैं, जो इंसान के भविष्य पर बड़ा असर डालकर उसे प्रभावित कर सकती हैं। मेकर्स द्वारा साझा किए गए दिलचस्प फर्स्ट लुक में कई गुटों के बीच वर्चस्व की लड़ाई लड़ते हुए दिखाया गया है, इसी लड़ाई को फिल्म में वेट्टुवम का नाम दिया गया है। इस फिल्म के जरिए मल्लखंब को एक अलग नजरिए से दिखाया गया है, यह एक पारंपरिक खेल है जिसे पहली बार इतने बड़े पैमाने पर स्क्रीन पर पेश किया गया है। फर्स्ट लुक में एक्टर्स की भी दमदार झलक देखने मिल रही है, जिससे दर्शकों के बीच फिल्म और

उसकी कहानी को लेकर दिलचस्पी बढ़ गई है। फिल्म में आर्या, वी. आर. दिनेश, शोभिता धूलियाला, कलैयारासन, माइम गोपी, गुरु सोमासुंदरम, शबीर कल्लाराक्कल, जॉन विजय, साई धीना, आनंद सामी, हरीश उथमन, लिजी, लिंगेश प्रेम कुमार, कविता भारती, अर्जुन, संथा कुमार, मेलोडी, मनीषा, निम्मी, राफेल, विक्रम, नवीन, और प्रकाश जैसे बेहद टैलेंटेड कलाकार शामिल हैं। फिल्म के संगीत को उसकी कहानी के हिसाब से जी. वी. प्रकाश कुमार बना रहे हैं, जो साजिशा की एक और परत जोड़ता है। म्यूजिक पा. रंजीत द्वारा बनाई हुई दुनिया के इर्द-गिर्द एक अनेखी आभा बनाता है। पा. रंजीत को सुपरहिट फिल्मस जैसे कबाली, काला, सरपट्टा परमबराई, और धंगलान को डायरेक्ट करने के लिए जाना जाता है। पा. रंजीत अपनी फिल्म वेट्टुवम के साथ वापसी कर रहे हैं, ऐसे में इसे बड़े पैमाने पर बनाए जाने की उम्मीद है। इस फिल्म को पा. रंजीत न सिर्फ डायरेक्ट कर रहे हैं बल्कि उन्होंने इसे लिखा भी है।

जेलर 2 में विद्या बालन की धमाकेदार एंट्री, फर्स्ट लुक में स्वैंग देख लोगों को याद आई डर्टी पिक्चर की रेशमा

जे जेलर 2 की रिलीज डेट जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे मेकर्स दर्शकों के लिए फिल्म से एक-एक कर सरप्राइज छोड़ रहे हैं। अब जेलर 2 के निर्माता ने रजनीकांत स्टारर फिल्म से विद्या बालन की पहली झलक पेश की है। इससे पहले मेकर्स ने एसजे सूर्या का बोधि और सूरज वेंजारामुडु का दिलीप लुक पेश किया था। निर्माताओं ने विद्या के किरदार का पहला टीजर जारी किया है, वह कांथा का किरदार निभा रही हैं, जो एक नया और रहस्यमय किरदार है, जिसे नए वीडियो में दमदार तरीके से पेश किया गया है। विद्या नीली साड़ी और काले ब्लाउज में, हाथ में सिगरेट लिए, सीढ़ियों से उतरकर एक कमरे में जाती हुई दिख रही हैं। इसके अलावा ज्यादा कुछ पता नहीं चलता, लेकिन इस छोटी सी झलक से एक बात स्पष्ट हो जाती है कि कांथा को एक शांत स्वभाव वाली शख्सियत के रूप में पेश नहीं किया जा रहा है। विद्या इस सीन में एक विशेष अधिकार का भाव दर्शाती हैं, जबकि अनिरुद्ध रविचंद्र का संगीत माहौल को और भी प्रभावशाली बना देता है। फिल्म निर्माताओं ने अभी तक कांथा की कहानी में भूमिका का खुलासा नहीं किया है। हालांकि, खबरों के मुताबिक विद्या, मिथुन चक्रवर्ती की सबसे बड़ी बेटी का किरदार निभाएंगी, जो खलनायक हैं और रजनीकांत के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। इससे पहले सोशल मीडिया पर विद्या का जेलर 2 लुक छा गया है और फैंस उन पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। कईयों को जेलर 2 में विद्या का यह दमदार अंदाज देख एक्स्ट्रेस



की फिल्म डर्टी पिक्चर में उनका रेशमा का किरदार याद आ गया है।

इस किरदार का खुलासा फिल्म निर्माताओं द्वारा जेलर 2 के प्रचार का एक हिस्सा है, जो 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित तमिल फिल्मों में से एक है। इस सीक्वल में रजनीकांत मुखुबल पांडियन के रूप में वापसी कर रहे हैं, जबकि

जेलर 2023 की सबसे बड़ी तमिल हिट फिल्मों में से एक बन गई थी। नेल्सन दिलीपकुमार की कहानी है, जो एक रिटायर्ड जेलर हैं और उनके बेटे के लापता होने के बाद उनका शांतिपूर्ण जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। सैकनिल्क के अनुसार , फिल्म में भारत में 348.55 करोड़ रुपये का नेट और वर्ल्डवाइड 604.50 करोड़ रुपये का ग्राँस कलेक्शन किया था. जेलर 2 में राय्या कृष्णन, योगी बाबू, मिर्ना और रित्विक अहम किरदारों में वापसी कर रहे हैं . इस सीक्वल में एसजे सूर्या, मिथुन चक्रवर्ती, विद्या बालन, सूरज वेंजारामुडु, अन्ना



राजन और जतिन सरना जैसे प्रभावशाली नए कलाकार की सरप्राइजिंग एंट्री है. फिल्म में कई कैमियो भूमिकाओं की भी उम्मीद है. खबरों के अनुसार मोहनलाल, शिव राजकुमार, जैकी श्रॉफ, विजय सेतुपति और ऋतिक रोशन इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं, हालांकि निर्माताओं ने अभी तक सभी संभावित भूमिकाओं की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है. विद्या के कांथा के रूप में शामिल होने के साथ ही, जेलर 2 की कास्ट का एक और हिस्सा तय हो गया है. फिल्म 15 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

जिम के तौलिए को ताजा रखने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके



जिम में पसीना पोछने के लिए तौलिए का इस्तेमाल करना रोजमर्रा की आदत बन जाती है, लेकिन अगर तौलिया साफ और ताजा न हो तो यह न केवल बदबू फैलाता है, बल्कि त्वचा पर भी असर डाल सकता है। इसलिए जिम के तौलिए को साफ और

ताजा रखना बहुत जरूरी है। आइए कुछ ऐसे आसान तरीके जानते हैं, जिनके जरिए आप अपने जिम के तौलिए को हमेशा साफ-सुथरा और खुशबूदार रख सकते हैं। जिम से लौटने के बाद गीले तौलिए को तुरंत धोना सबसे जरूरी होता है। अगर गीले तौलिए को धोए बिना छोड़ दिया जाए तो उसमें कीटाणु और गंध पैदा होने लगती है। हल्के गर्म पानी में थोड़ा साबुन डालकर तौलिए को अच्छी तरह धोएं। धोने के बाद इसे धूप में सुखाएं ताकि यह पूरी तरह से सूख जाए। धूप में सूखने से तौलिए में किसी भी तरह के कीटाणु खत्म हो जाते हैं। जिम के तौलिए को हफ्ते में कम से कम एक बार अच्छी तरह से धोना चाहिए। यह आदत तौलिए को साफ और पसीने की गंध से दूर रखती है। धोने के लिए हल्के साबुन का इस्तेमाल करें और ज्यादा रगड़ने से बचें ताकि तौलिए का कपड़ा खराब न हो। धोने के बाद इसे हमेशा खुली और हवादार जगह पर सुखाएं। इस आदत से आपका

खुशबू बनाए रखें

तौलिए में ताजगी बनाए रखने के लिए आप घर पर ही तैयार किए गए स्प्री का इस्तेमाल कर सकते हैं। पानी में थोड़ा नींबू का रस या गुलाबजल मिलाकर इसे तौलिए पर हल्के से छिड़कें। इससे न केवल तौलिए में ताजगी बनी रहती है, बल्कि यह गंध को भी दूर करता है। यह तरीका खासकर उन लोगों के लिए उपयोगी है, जो अपने तौलिए को लंबे समय तक ताजा रखना चाहते हैं।

तौलिया साफ और लंबे समय तक इस्तेमाल के लायक बना रहेगा। जिम के तौलिए पर अन्य सामानों से अलग रखना बहुत जरूरी है। अगर तौलिए को गंदे कपड़ों या जूतों के साथ रखा जाए तो उसमें बदबू और कीटाणु फैलने का खतरा बढ़ जाता है। तौलिए को हमेशा अलग पॉलीथिन या कपड़े के थैले में रखें। इसके अलावा कभी भी गीले तौलिए को बैग में न रखें क्योंकि इससे नमी बढ़ती है और कीटाणु जल्दी पनपते हैं। इस आदत से तौलिए को लंबे समय तक ताजा रखा जा

सकता है। जिम से लौटने के बाद तौलिए को तुरंत खुली हवा में लटका दें। इससे तौलिए में मौजूद नमी जल्दी सूख जाती है और उसमें कीटाणु पनपने का खतरा कम होता है। अगर धूप उपलब्ध हो तो तौलिए को धूप में सुखाएं। धूप के संपर्क में आने से तौलिए की गंध दूर होती है और यह ताजा महसूस होता है। ध्यान रखें कि तौलिए को कभी भी गीला या नमी भरा न छोड़ें।



गाना आज्ञा गुफाओं में आ महिला शक्ति का प्रतीक : रवीना टंडन

अपनी फिल्म अक्स के मशहूर गाने आज्ञा गुफाओं में आ के रीक्रिएशन पर अभिनेत्री रवीना टंडन ने पेटाराज बताया है। रवीना टंडन का कहना है कि यह गीत डरावना नहीं, बल्कि बेहद खूबसूरत और महिलाओं की शक्ति को दर्शाने वाला गीत है, जिसे आजकल गलत तरीके से हॉरर फ़ॉर्मेट में प्रस्तुत किया जा रहा है। रवीना टंडन हाल ही में डांस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 के सेमीफाइनल एपिसोड में विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस दौरान प्रतियोगी गीतजालि और कोरियोग्राफर अनुराधा ने आज्ञा गुफाओं की गीत रवीना टंडन के साथ गाया। रवीना टंडन ने प्रस्तुति को फॉलोअर्स बताते हुए भी एक शिकायत जालि की। उन्होंने कहा कि प्रस्तुति में एक बेहद खूबसूरत लड़की को ज़रूरत से ज्यादा डरावने रूप में दिखाया गया, जो गाने के मूल अर्थ के विपरीत था। रवीना टंडन ने अपनी बात रखते हुए कहा, ये बच्चे बहुत खूबसूरत हैं। मेरी पूरी प्रस्तुति से सिर्फ एक शिकायत है। मेरे लिए यह परफॉर्मेंस पूरी तरह शानदार थी, लेकिन इतनी खूबसूरत बच्ची को इतना डरावना क्यों बना दिया गया? असल में यह कोई हॉरर सोन्या नहीं था। आजकल ज्यादातर कोरियोग्राफर जब इस गाने को दोबारा प्रस्तुत करते हैं तो इसे हॉरर फ़ॉर्मेट दे देते हैं, जबकि यह गीत अपने गायन और प्रस्तुति के कारण बेहद खूबसूरत है। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि इस तरह का गीत फिर कभी नहीं बना। रवीना के अनुसार, इस गाने की कोरियोग्राफी राजू सुब्रमण्यम ने की थी और इसका भाव महिलाओं की शक्ति से जुड़ा हुआ था।

BRIFF NEWS

Centre nominates 7
MPs to Institute
Bodies of new AIIMS



New Delhi, : The Centre has nominated seven Members of Parliament to the Institute bodies of seven new All India Institutes of Medical Sciences, giving the MPs a formal role in the statutory bodies overseeing the institutions. The nominations, notified by the Union health ministry on September 15, cover AIIMS at Awantipora, Bathinda, Bhopal, Guwahati, Jodhpur, Vijaypur and Madurai. The MPs nominated are Gulam Ali for AIIMS Awantipora, Dr Ashok Kumar Mittal for AIIMS Bathinda, Rajneesh Kumar Agrawal for AIIMS Bhopal, Birendra Prasad Baishya for AIIMS Guwahati, Madan Rathore for AIIMS Jodhpur, Sat Paul Sharma for AIIMS Vijaypur and I S Inbadurai for AIIMS Madurai. The nominations have been made under Section 4(g) of the All India Institute of Medical Sciences Act, 1956, as amended by the All India Institute of Medical Sciences (Amendment) Act, 2012. The notification states that the term of office of the nominated members will be governed by Section 6 of the AIIMS Act. The seven institutions are part of the newer AIIMS network established across different parts of the country.

Govt staff outside
CGHS areas can
now opt for scheme



New Delhi, : Central government employees living or posted outside the CGHS-covered area can now make a one-time choice to join the Central Government Health Scheme (CGHS), even if there is no CGHS Wellness Centre in their city. The Union health ministry has removed the geographical restriction that earlier prevented eligible employees outside the prescribed CGHS area from opting for the scheme. The move will benefit employees residing or posted outside the prescribed coverage area. Earlier, an employee's eligibility for CGHS depended on where they lived or were posted. Where a 5-km limit was prescribed, coverage was linked to the area around a CGHS Wellness Centre. Employees outside the prescribed area could not opt for CGHS. Under the new rule, an eligible employee residing or posted outside the CGHS-covered area can opt for the scheme by paying the prescribed CGHS contribution and meeting the other eligibility conditions. However, the choice is a one-time decision and will be final and binding. It will also apply to all eligible dependents of the employee. Employees opting for CGHS cannot simultaneously claim medical benefits under the Central Services (Medical Attendance).

4 European nations back India's bid for permanent UN seat, Jaishankar calls it 'historic'

Agency: Slovakia on Monday backed India's bid for a permanent seat on the United Nations Security Council, with foreign minister Juraj Blanár saying India, as a leading country of the Global South and an emerging power in the Indo-Pacific, should have a place at the UN's top decision-making body.

The remarks came after external affairs minister S Jaishankar participated in the first high-level Visegrád



Group (V4) plus India meeting on the sidelines of the 81st UN General Assembly in New York.

"We all agree, as V4 countries, that India, as part of the Global South, an upcoming superpower in the Indo-Pacific region, must be at the

table as a permanent member of the UN Security Council," Blanár said.

The V4 comprises Poland, Hungary, Slovakia and Czechia. The four countries held their first ministerial-level meeting with India

in the new V4+India format during the UNGA high-level week.

Jaishankar described the meeting as a "new historic occasion" and said the discussions covered political, economic, defence, technology, space, connectivity and people-to-people ties.

"We had our first Visegrad Four and India meeting. It was, in a sense, a new historic occasion, and I would like to thank Minister Juraj (Foreign Minister of Slovakia) for conven-

ing us today. It was a very, very productive meeting. What we agreed was that since India's relationship with the European Union itself is deepening, with the V4, we would take some special initiatives to create an annual business forum. As foreign ministers, we would meet annually. That was the consensus. We would also explore in technology and innovation whether we could be doing more.

We have a very strong

history with all the V4 countries in defense. We want to refresh and take forward that record and that cooperation. We discussed space issues, connectivity, and people-to-people mobility. We have students in each of the V4 countries. Overall, in terms of our cooperation, as well as a very good and useful exchange on the big global crisis, the Ukraine conflict, and what's happening in the Gulf. I think it was a very worthwhile and productive meeting.

Court junks rejection of petition to probe Sonia voter roll entry

New Delhi, Agency: A Delhi court has set aside a 2025 magisterial order rejecting a plea to probe alleged irregularities in the inclusion of Sonia Gandhi's name in the electoral rolls. It observed that the "impugned order suffers from manifest errors in law". Special judge Vishal Gogne of Dwarka courts remanded the matter to the ACJM for a fresh, reasoned order after an inquiry and after hearing the concerned police officer. It will be listed on Sept 29. He said the order was "non-speaking" and lacked reasons. There was no discussion on the sequence of Sonia's inclusion, deletion and re-inclusion in the electoral rolls of 1980, 1982 and 1983, he said. Advocate Vikas Tripathi's complaint alleged that Sonia's name was unlawfully



entered in the electoral roll for New Delhi parliamentary constituency in 1980, before she acquired Indian citizenship. Her name was allegedly deleted in 1982 and re-entered in 1983, with the complaint claiming the re-entry, too, preceded her acquisition of citizenship on April 30, 1983. In 2025, ACJM dismissed the complaint as "based on bald assertions unaccompanied by essential particulars of cheating and forgery" and described the material.

Greater Noida World School Named City's Outstanding School at Summit

Greater Noida : Greater Noida World School has been honoured with the "Outstanding School of Greater Noida" award at the Education Summit 2026 – National Edition. The award was received on behalf of the school by Principal Manju Kaul Raina. The recognition highlights the institution's academic initiatives, learning environment and efforts towards the overall development of students. The school said it has focused not only on academic excellence but also on modern teaching methods, innovation, creativity



and practical learning. Its programmes aim to prepare students for changing requirements while developing confidence, leadership abilities and problem-solving skills.

Education at the school is not limited to classroom and textbook learning. The institution places emphasis on stu-

dents' intellectual, emotional, social, ethical and creative development. A range of academic and co-curricular activities provides students opportunities to identify and develop their interests and abilities.

The school management attributed the recognition to the efforts of teachers, students, parents and other members of the institution. It said the award reflects the collective contribution of the entire school community. Principal Manju Kaul Raina said the honour was not only an achievement but also a responsibility and the future.

'We don't condone cheating': IIT Bombay students call for reforms after Sahil's death

New Delhi, Agency: Student representatives at IIT Bombay have issued an official statement following the death of student Sahil Wakode, saying they do not condone cheating or any form of academic misconduct, while calling for reforms to address systemic concerns within the institute.

"We do not stand for or condone cheating or any form of academic misconduct. At the same time, the loss of our fellow student, Sahil, is a deeply tragic event that has compelled us to reflect on the systems and



processes within our Institute," the representatives said. They said the protest launched by students was not intended to justify academic misconduct, but was a collective effort to raise

concerns over issues that had existed within the institute for some time and seek "meaningful and strong institutional reforms" to prevent similar circumstances in the future. The representa-

tives also welcomed the open house held with the institute's Director and other members of the administration on Sunday, saying it gave students an opportunity to directly raise their concerns and questions. IIT Bombay Student Representatives issue an official statement following the tragic death of second-year BTech student Sahil Wakode.

The statement states: "We do not stand for or condone cheating or any form of academic misconduct.

Courts must not interfere in cop probe: Supreme Court

Agency: Supreme Court on Monday said investigation of a crime was the police's exclusive domain and should be left to the investigating agency's discretion, and courts should not interfere to decide when a probe should stop. Quashing a Bombay High Court order which had refused to grant an extension of time to file a chargesheet against a Popular Front of India (PFI) member, after which the accused were granted default bail, a bench of Justices Prashant Kumar Mishra and Shree Chandrashekhar said the



HC committed an error in not granting more time to the anti-terrorism squad of Mumbai police to complete the probe. Investigation of a crime is the exclusive domain of the police. It is not the jurisdiction of the court to decide when the investigation in a case should stop.

It must be left to the discretion of the investigating agency to decide the course of investigation and to proceed in its own manner.

Lt Gen Mohit Seth to be new GOC of White Knight Corps

Jammu, : Lieutenant General Mohit Seth will take over as the new General Officer Commanding (GOC) of the Army's Nagrota-based White Knight Corps (16 Corps) on Oct 1. He will replace Lt Gen P K Mishra, who will move to a new posting, officials said.

In his distinguished military career spanning over three



decades, Lt Gen Seth has served in key command and staff positions

in J&K, the northeast, and at the Army HQ. He is currently the Commandant of the Indian Military Training Team in Bhutan.

Lt Gen Seth previously was GOC of the Counter-Insurgency Force Kilo (Kilo Force), an elite formation of the Army's Rashtriya Rifles tasked with anti-terror operations in north Kashmir.

No median cuts, surface intersections on future high-speed NH corridors: NHAI

New Delhi, : New access-controlled high-speed national highway corridors will have no median (divider) openings and no at-grade (surface level) intersections, a move that aims at eliminating conflict points and reducing crashes.

It has also been mandated under new NHAI guidelines issued on Monday that these corridors won't have raised concrete dividers but flush medians - painted centre lanes with thick wire ropes or crash barriers. These will also have advance exit sig-



nage at 5 km, 2 km, 1 km and 500 metres to help motorists prepare for lane changes well in advance.

The design provisions are aimed at improving safety on access-controlled corridors where cars are allowed to travel at speeds of up to 100 kmph. Delhi-Dehradun

Expressway, Ambala-Kotputli corridor and Trans-Haryana corridor are among such highways. NHAI said the guidelines seek to bring uniformity in the planning and design of access-controlled high-speed corridors and ensure consistency in technical standards across projects.

"The guidelines will apply to all upcoming four-lane and six-lane greenfield and brown-field access-controlled high-speed national highways," an NHAI spokesperson said. Officials said eliminating median cuts and surface intersections will prevent dangerous cross movements and wrong-side driving, while standardised signage and geometric design will improve traffic flow and reduce the risk of high-speed crashes on the new generation of national highway corridors.